वर्ष-5
अंक-12
दिसम्बर-2023
पृष्ठ: 8
सहयोग मूल्य
11 रूपये
Follow Us

हिन्दी मासिक
चन्दौली-वाराणसी से सम्पूर्ण भारत के लिए प्रकाशित व प्रसारित

अनिवार्य प्रश्न

अगर पढ़िए, तो सिर्फ सच पढ़िए!
हर कलम बिकती नहीं!

RNI UPHIN/2019/80493
www.anivaryaprashna.in

तारा सुतारिया...8

सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 मजदूरों को 17 दिनों बाद सुरक्षित निकाला गया

अनिवार्य प्रश्न। संवाद
उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे 41 मजदूरों को 17 दिनों बाद सुरक्षित निकाल लिया गया है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने पूरे देश को खुशी और राहत दी है।

घटना 21 नवंबर 2023 को हुई थी, जब सिलक्यारा सुरंग में एक मलबे की घटना में 41 मजदूर फंस गए थे। सुरंग उत्तरकाशी जिले के सिलक्यारा गांव में स्थित है और यह उत्तरकाशी शहर को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम से जोड़ती है।

मलबे की घटना के बाद, एनडीआरएफ और अन्य बचावकर्मियों ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू किया। बचावकर्मियों ने सुरंग में फंसे मजदूरों तक पहुंचने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की।

17 दिनों के लंबे और कठिन अभियान के बाद, बचावकर्मियों ने अंततः 41 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया। मजदूरों को मलबे से निकालने के लिए बचावकर्मियों ने कई तकनीकों का इस्तेमाल किया, जिसमें ड्रिलिंग, खुदाई और सुरंग की दीवारों को तोड़ना शामिल था।

सुरंग से निकाले गए मजदूरों में से 38 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। सभी मजदूरों की हालत स्थिर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना के बाद, उत्तराखंड सरकार ने सुरंग की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने सुरंग में फंसे मजदूरों के परिवारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की है।

इस घटना ने देश भर में लोगों को एकजुट किया है। देश के कोने-कोने से लोग 41 मजदूरों के सुरक्षित बचाव के लिए प्रार्थना कर रहे थे। इस घटना ने यह भी दिखाया कि जब लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी चुनौती पार की जा सकती है।

सुरंग में फंसे मजदूरों की कहानी

सुरंग में फंसे 41 मजदूरों की कहानी प्रेरणादायक है। इन मजदूरों ने 17 दिनों तक मलबे के नीचे फंसे रहने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने एक-दूसरे का हौसला बढ़ाया और एक-दूसरे की मदद की।

इन मजदूरों में से कई मजदूरों ने बताया कि उन्होंने सुरंग में फंसे रहने के दौरान कई तरह की कठिनाइयों का सामना किया। उन्हें खाने-पीने के लिए पानी और भोजन की कमी थी। इसके अलावा, उन्हें ठंड और अंधेरे से भी जूझना पड़ा।

हालांकि, इन मजदूरों ने इन कठिनाइयों को पार करने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने 17 दिनों तक मलबे के नीचे फंसे रहने के बाद भी अपना धैर्य नहीं खोया।

इन मजदूरों की कहानी हमें यह सिखाती है कि कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अगर हम एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते हैं, तो कोई भी चुनौती पार की जा सकती है।

अब होगी सुरंग हादसे की जांच

सुरंग हादसे के बाद, उत्तराखंड सरकार ने एक जांच समिति का गठन किया है। समिति को हादसे की वजहों की जांच करनी है और यह सुझाव देना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को कैसे रोका जा सकता है।

जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया है कि सुरंग हादसे का मुख्य कारण सुरंग निर्माण के दौरान मानकों का पालन नहीं करना था। समिति ने यह भी कहा है कि सुरंग में सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं थे। जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद, सरकार हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।

देव दीवाली पर स्वर्ण किरणों से सजी काशी, फीका हुआ स्वर्ग

रंग-बिरंगी रौशनी से जगमग दिखी काशी

अनिवार्य प्रश्न। संवाद
वाराणसी। सोमवार 27 नवंबर, 2023 को देव दीपावली के मौके पर काशी दियों की किरणों से जगमग दिखी। शाम के समय से पूरी रात पूरी काशी रंग-बिरंगी रौशनी से जगमग दिखी। प्राप्त सूचना के मुताबिक काशी के कुल 85 घाटों पर 12 लाख दीये जलाए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इस दौरान वहाँ उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तस्वीरें शेयर किया और लिखा, देव दीपावली के पावन अवसर पर आशा, आस्था, आत्मीयता और अंत्योदय के असंख्य दीयों के दिव्य प्रकाश से जगमग अविनाशी काशी।

पहली बार 70 देशों के राजदूत व प्रतिनिधि भी देव दीपावली के घाटों पर मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि जले अनुमानित 12 लाख दीयों में से 1 लाख दीये गाय के गोबर के थे। बाबा विश्वनाथ मंदिर को सजाने के लिए 11 टन फूल मँगाए गए थे। केंद्रीय आवासीय, शहरी मामलों, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी समारोह में मौजूद रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत भी किया। कुल 150 विदेशी मेहमान काशी में उपस्थित थे। इससे पहले अयोध्या भी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में शामिल हुआ था। राम जी की अयोध्या में 22.23 लाख दीये जलाए गए थे। उल्लेखनीय है कि देव दीवाली कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को होती है। इस दिन सभी देवतागण स्वर्ग से पृथ्वी पर उतरकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। माना जाता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। इस राक्षस का वध करने के बाद सभी देवतागण भगवान शिव से मिलने काशी नगरी पहुंचे थे। जहां देवताओं ने गंगा स्नान किया और फिर दीपदान कर खुशियां मनाई। इसलिए काशी में इस पर्व को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

काशी नगरी भगवान शिव की नगरी है। इस नगरी में भगवान शिव के कई मंदिर स्थित हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन काशी नगरी में देव दीवाली का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन गंगा नदी के घाटों पर लाखों दीपक जलाए जाते हैं। यह दृश्य अत्यंत ही मनमोहक होता है। देव दीवाली के दिन काशी नगरी में कई धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

देव दीवाली के दिन काशी नगरी में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में संगीत, नृत्य, कविता पाठ आदि शामिल होते हैं। देव दीवाली का पर्व काशी नगरी के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन लोग एक दूसरे को बधाई देते हैं और खुशियां मनाते हैं।

दुनिया में तेजी से बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का प्रयोग

इलेक्ट्रॉनिक वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल

आजकल दुनियाभर में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह एक सकारात्मक विकास है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल हैं।

चीन इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में दुनिया का अग्रणी देश है। 2022 में, चीन में 2.6 मिलियन से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो कि दुनिया के कुल बिक्री का लगभग 50: है। चीन सरकार इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है, जिसमें सब्सिडी, कर छूट और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास शामिल हैं।

अन्य देशों में भी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, 2022 में 692,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 83 अधिक है। यूरोपीय संघ में, 2022 में 2.3 मिलियन से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 60 अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी करते हैं। इन वाहनों की तकनीक में सुधार हुआ है, जिससे उनकी सीमा और प्रदर्शन में वृद्धि हुई है। कई सरकारें इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और प्रोत्साहनों की पेशकश कर रही हैं। सरकारों का ममनना रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में वृद्धि से पर्यावरण को काफी लाभ हो सकता है। इन वाहनों से वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे जलवायु परिवर्तन को रोकने में मदद मिलेगी।

हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में कुछ चुनौतियां भी हैं। इलेक्ट्रिक वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में अभी अधिक महंगे पड़ रहे हैं। इन वाहनों को चार्ज करने के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशनों की कमी है। इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सरकारों और उद्योगों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

वर्तमान समय में भारत में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का प्रयोग

भारत में भी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। 2022 में, भारत में 300,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 100: अधिक है।

भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। सरकार इनकी खरीद पर सब्सिडी देना शुरू कर दी है। साथ ही ई-वाहनों पर कर छूट भी दी जाने लगी है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 30 तक पहुंचाना है।

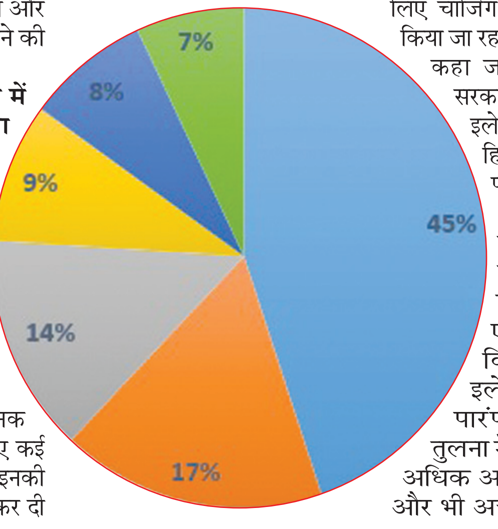

दुनियाभर में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। यह एक सकारात्मक विकास है, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल हैं। यह बात और भी अच्छी है कि भारत में भी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है और आगे भी उठाने जा रही है।

यह ग्राफ दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की बिक्री में वृद्धि को दशार्ता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, 2022 में, दुनिया भर में 10 मिलियन से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 68% अधिक है। यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, और 2030 तक दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 20 मिलियन से अधिक होने की उम्मीद है।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम की मणिपुरी रीति-रिवाजों से हुई शादी

इंफाल। फिल्मी अभिनेता रणदीप हुड्डा ने विगत 30 नवम्बर, 2023 की रात को मणिपुरी रीति-रिवाजों से अपनी लंबे समय से प्रेमिका लिन लैशराम से शादी कर ली। शादी मणिपुर की राजधानी इम्फाल में एक निजी समारोह में हुई। रणदीप और लिन पिछले चार सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों की मुलाकात एक थिएटर प्रोडक्शन के दौरान हुई थी। रणदीप ने लिन को पहली बार देखते ही उन्हें पसंद कर लिया था। उन्होंने लिन को अपने परिवार से भी मिलवाया और दोनों के परिवारों ने भी एक-दूसरे को स्वीकार कर लिया। शादी समारोह में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए। रणदीप ने सफेद धोती-कुर्ता पहना था, जबकि लिन ने पारंपरिक मणिपुरी पोलाई पहनी थी। दोनों बेहद खूबसूरत लग रहे थे।

परम्परा और संस्कृति का दिखा प्रेम

शादी के बाद रणदीप और लिन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कर अपने फैंस को इस खुशखबरी से अवगत कराया। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, जस्ट मैरिड।

रणदीप और लिन की शादी को लेकर बॉलीवुड के उनके दोस्तों और फैंस ने भी उन्हें बधाई दी। कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर उन्हें शादी की शुभकामनाएं दीं।

रणदीप हुड्डा बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें 'ओमकारा' 'रंग दे बसंती', 'बैंड बाजा बारात', 'पद्मावत', 'सरदार उधम' और 'आरआरआर' शामिल हैं।

लिन लैशराम एक मणिपुरी अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने कई मणिपुरी फिल्मों और टीवी शो में काम किया है। रणदीप और लिन की शादी एक खूबसूरत और यादगार समारोह था। प्रसंशक दोनों को एक-दूसरे के साथ खुशहाल जीवन बिताने की कामना कर रहे है।

डॉ. राम मूर्ति प्रसाद मिश्रा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट
पता : हरेहूं, पोस्ट : बलुआ, ब्लाक : बड़गांव, वाराणसी-221201
Center Code : UP 215
D.Ed विशेष शिक्षा
समकक्ष Del.Ed./BTC
डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन (बौद्धिक अक्षमता)
D.Ed Spl. Ed. (IDD)
[शैक्षिक योग्यता :10+2 with 50%]
कोर्स : 2 वर्ष
प्रवेश प्रारम्भ
सुनिश्चित नौकरी
भारतवर्ष के किसी भी राज्य में सरकारी शिक्षक एवं विशेष शिक्षक बनने का मिलेगा अवसर।
समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक बनने का अवसर।
निदेशक डॉ. ज्योति भूषण मिश्रा
प्रभारी : अतुल उपाध्याय : 7068383838
8765407836, 6393032960
मान्यता : भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली (भारत सरकार)
प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्ति हेतु उत्तर प्रदेश एवं भारत के समस्त राज्यों में मान्य।
Write on mail : rmpmishragitafoundation@gmail.com

बलिया की माटी ने कराया था आजादी का एहसास-योगी

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को किया सम्बोधित

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

बलिया । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गत तीन नवम्बर बलिया में पहुंचे थे। सीएम ने बासडीह के पिंडहरा में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के दौरान जनपद वासियों को 128.67 करोड रुपए लागत की परियोजनाओं का उपहार दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों कहा कि बलिया की धरती क्रांति है, चुनौती से अपना रास्ता बनाती है। गुलामी के दौर में आजादी की चिंगारी को सुलगाने का कार्य मंगल पांडे ने किया और देखते देखते पूरे देश में क्रांति की लहर दौड़ गई। इतना ही नहीं सन् 1942 में आजादी का एहसास भी देश को बलिया की माटी ने कराया था। इतना ही नहीं जब लोकतंत्र खतरे में था तब जयप्रकाश नारायण ने नागरिकों के मौलिक अधिकार की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया। जिसमें जिले के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर ने उनका साथ दिया था।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री बांसडीह के पिंडहरा में आयोजित

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने 35 मिनट के संबोधन में सीएम ने राजनीतिक दल पर टिप्पणी करने से गुरेज किया, लेकिन अपनी सरकार की उपलब्धियों का खूब बखान किया। कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती थी कि महिला आरक्षण कानून मूर्त रुप ले। इसीलिए उसे लंबे समय से लटकाए रखा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे किसी की एक नहीं चली और मजबूरन सबकों इसका समर्थन करना पड़ा। सीएम ने कहा कि आरक्षण से महिलाओं का तेजी से विकास होगा। कहा कि दीपावली पर उज्जवला योजना के कनेक्शनधारियों को मुफ्त सिलेंडर दिया जाएगा। साथ ही बलिया के विकास के लिए गंगा और सरयू नदी में जेटी का का निर्माण कराया जाएगा। ताकि बलिया से अयोध्या सीधे जुड़ सकें। जल मार्ग का विकास होने से जिले में रोजगार सृजन होगा। कहा कि सरकार ने आयुष्मान योजना की धनराशि में बढ़ोत्तरी की है। साथ ही बेटियों को शादी के लिए 51 हजार रुपये दे रही है। बेटियों की सुरक्षा के लिए नए कायदे-कानून बनाए गए है। ताकि हमारी बेटियां बेखैफ होकर विकास में सहभागी बनें।कहा कि जिले के विकास में धन की कमी आड़े नहीं आएगी। जिले को शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज का तोहफा मिलेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में नए भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिया श्रीअन्न और सब्जी की प्राकृतिक खेती हो रही है। इसे देश और विदेशों के बाजारों में पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है। महिलाओं के विकास के लिए गांव स्तर पर स्वयं सहायता समूहों की सक्रियता सराहनीय है।

बिहार में 1.20 लाख शिक्षकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में नव नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह राज्य की राजधानी पटना के गांधी मैदान में आयोजित किया गया था। इसी तरह के कार्यक्रम राज्य के विभिन्न हिस्सों और जिला मुख्यालयों में भी आयोजित किए गए, जबकि कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक साथ जुड़े हुए थे। विशेष रूप से, एक बड़े भर्ती अभियान में, बिहार लोक सेवा आयोग ने राज्य भर के स्कूलों में विभिन्न स्तरों पर स्कूल शिक्षकों के रूप में नियुक्ति के लिए हाल ही में आयोजित बीपीएससी टीआरई (शिक्षक भर्ती परीक्षा) 2023 के माध्यम से एक लाख से अधिक उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया है। इस दौरान अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार लोकसभा आयोग द्वारा कुल 1,20,336 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। बिहार में भर्तियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं और इस स्तर पर कहीं और नहीं की जा रही हैं। नीतीश कुमार ने बात-बात में केके पाठक को जल्द से जल्द शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश भी दे दिया।

प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के तहत एक फूड स्ट्रीट का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र एक उभरते हुए उद्योग के रूप में सामने आया है और पिछले नौ वर्षों में इसने 50,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) आकर्षित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा, पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपये का एफडीआई आया है। यह सरकार की उद्योग समर्थक और किसान समर्थक नीतियों का परिणाम है। तीन दिवसीय कार्यक्रम पांच नवंबर को संपन्न होगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रसंस्कृत खाद्य का निर्यात 150 प्रतिशत बढ़ा है और घरेलू प्रसंस्करण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने एक लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की और वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के तहत एक फूड स्ट्रीट का उद्घाटन किया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी के रूप में प्रदर्शित करना और 2023 को मोटे अनाज के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की महिलाओं में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को लीड करने की

स्वाभाविक क्षमता है। इसके लिए हर स्तर पर महिलाओं को, कुटीर उद्योगों और एसएचजी को प्रमोट किया जा रहा है। भारत में जितनी सांस्कृतिक विविधता है, उतनी ही खाद्य विविधता भी है। हमारी ये खाद्य विविधता दुनिया के हर इन्वेस्टर के लिए एक डिवाइडेंड है। आज जिस तरह पूरी दुनिया में भारत के प्रति जिज्ञासा बढ़ी है, वो भी आप सभी के लिए बहुत बड़े अवसर लेकर आया है। मोदी ने कहा, '' टिकाऊ जीवन शैली के उद्देश्य को साकार करने में भोजन की बर्बादी को कम करना एक महत्वपूर्ण प्रयास है। हमारे उत्पादों को बर्बादी कम करने के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बताया कि जी20 बैठकों में प्रतिनिधियों ने बाजरा से बने भोजन का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि बाजरा सुपरफूड बकेट का एक प्रमुख घटक है और उन्होंने देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खाद्य टोकरी में विविधीकरण का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, '' मुझे विश्वास है कि बाजरा दुनिया के हर कोने तक पहुंचेगा। कई कंपनियां बाजरा आधारित उत्पाद ला रही हैं। समग्र खाद्य टोकरी में बाजरा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक सामूहिक खाका बनाने की जरूरत है। सरकार देश के 10 करोड़ से ज्यादा बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार मुहैया कराती है। मोदी ने कहा, अब सार्वजनिक वितरण की खाद्य टोकरी में विविधता लाने का समय आ गया है।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार नहीं गोरखधंधा हो रहा- अखिलेश

गोरखपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गत चार नवम्बर को सहजनवां क्षेत्र के भीटी रावत स्थित शारदा प्रसाद रावत महाविद्यालय में पहुंचे। उन्होंने रेशमा रावत की प्रतिमा का अनावरण और कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय महारैली को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे नाई समाज के लोगों ने लिखा है, नारे लगाए हैं, मैं देख रहा हूं कि गर्व से कहो हम नाई हैं। हमारे समाजवादी साथी इनको जोड़ते हुए कहेंगे गर्व है कि हमारे ये भाई हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि 90 किमी लंबी सड़क छह हजार करोड़ में बन रही है, यह बड़ा गोरखधंधा है। वहीं उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर कहा कि जातीय जनगणना के बिना सामाजिक न्याय की लड़ाई संभव नहीं है। आज हर वर्ग परेशान है, युवाओं को उनके भविष्य का पता नहीं है। सपा सरकार बनी तो तीन हजार मासिक पेंशन दिया जाएगा। कहा कि जब-जब मुख्यमंत्री यहां आए

हैं फिर जब वापस गए हैं तो किसी न किसी की हत्या हुई है, आप अखबार उठाकर देख लीजिए। ये है इनकी जीरो टॉलरेंस। जिस तरह का भेदभाव भारतीय जनता पार्टी में हो रहा है मुझे उम्मीद है इस तरह के सम्मेलन से बहुजन समाज जागरूक होगा। वो एक साथ आएंगे और इन गलत नीतियों के खिलाफ आने वाले 2024 के चुनाव में भाजपा को हराएंगे।अखिलेश ने कहा कि ये मुख्यमंत्री कुछ नहीं जानते, विधानसभा में आपने नहीं सुना था 46 में 56। हमने उनसे कहा वो सूची दे दो, आज तक नहीं दे पाए। ये बताएं गोरखपुर यूनिवर्सिटी में भर्ती कौन हुए हैं? उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं ठप हो गई हैं, कोई गरीब इलाज कराने जाए तो इलाज नहीं मिल रहा। अभी तक बीजेपी ने कोई भी एक जिला अस्पताल नहीं बनवाया। किस भरोसे और उम्मीद के साथ एम्स बना था, जो एम्स में इलाज होना चाहिए थे वो अभी भी नहीं हो पा रहें। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लखनऊ से गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से भीटी रावत स्थित शारदा प्रसाद रावत महाविद्यालय में आयोजित महारैली में पहुंचे। इसके बाद रेशमा रावत इंटर कॉलेज परिसर में श्रीमती रेशमा रावत की प्रतिमा का अनावरण किया।

नीतीश को मनाने में लगी कांग्रेस

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार ने इंडिया ब्लॉक के कमजोर होने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। अब कांग्रेस नीतीश कुमार को मनाने में लग गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनसे फोन पर बात की और उन्हें बताया कि विपक्षी गठबंधन उनकी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस अभी पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और राज्य चुनाव खत्म होने के बाद इंडिया ब्लॉक के एजेंडे और संयुक्त रैलियों पर ध्यान केंद्रित करेगी। सूत्रों के मुताबिक, मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार से कहा कि कांग्रेस तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां पार्टी का बड़ा दांव है। 2 नवंबर को नीतीश कुमार ने गुरुवार को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता को हाल के महीनों में हासिल की गई गति को आगे बढ़ाने में भारतीय ब्लॉक की असमर्थता के लिए जिम्मेदार ठहराया।

ऊर्जा विभाग ने बिजली उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत

प्रदेश में ओटीएस योजना लागू

लखनऊ । ऊर्जा विभाग ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। प्रदेश में ओटीएस योजना लागू कर दी गई है। इसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 15 दिसंबर तक बकाया राशि जमा करने पर ब्याज में शत प्रतिशत छूट दी जाएगी।ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि ओटीएस योजना में अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं। बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं के लिए भी योजना में प्रावधान किया गया है। यदि वे तत्काल कनेक्शन लेते हैं तो बिजली चोरी में उन पर लगे जुर्माने में छूट दी जाएगी। इसी तरह व्यापारियों को भी लगाई गई पेनाल्टी में राहत दी जाएगी।यह योजना 8 नवम्बर से 31 दिसम्बर 2023 तक कुल 54 दिनों तक तीन खण्डों में लागू की जाएगी। योजना का पहला चरण 8 से 30 नवम्बर, दूसरा चरण 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तथा तीसरा चरण 16

दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक चलेगा।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि विद्युत चोरी के प्रकरणों में उपभोक्ताओं को देय राशि का 10 प्रतिशत पंजीकरण राशि के रूप में योजना का लाभ लेने के लिये जमा करना होगा। शेष निर्धारित राशि (छूट के बाद) को एकमुश्त अथवा अधिकतम तीन किश्तों में जमा कराने का विकल्प उपलब्ध होगा। इसके लिए नियमित विद्युत संयोजन वाले उपभोक्ता भी अर्ह होगें, जिनके परिसर में चेकिंग के दौरान अनियमितता पाये जाने पर उनके विरूद्ध राजस्व निर्धारित कर बिल निर्गत किया गया है। स्थाई रूप से विच्छेदित बकायेदारों के प्रकरण तथ । विवादित एवं विभिन्न न्यायालयों में लम्बित मामले भी समाधान किए जाएंगे जिन उपभोक्ताओं के विरूद्ध आरसी जारी की गई है उनको भी इस योजना का लाभ मिलेगा।

डेढ़ सेमी प्रति साल बढ़ रही हिमालय की चोटी

गोरखपुर । यह खबर दहशतजदा करने के लिए नहीं, बल्कि आपको सावधान और सजग करने के लिए है। भूकंप का जो झटका शुक्रवार को महसूस किया गया, उसे अंतिम मत समझिए। ऐसे झटकों के आगे भी आने की प्रबल आशंका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हिमालय क्षेत्र में पृथ्वी की इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट, यूरेशियन प्लेट के नीचे दबती जा रही है और इससे हिमालय ऊपर उठता जा रहा है। हिमालय की ऊंचाई प्रति वर्ष लगभग 1.5 सेमी बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य में भूकंप के उच्च तीव्रता वाले भूकंप आने की संभावना है।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपक प्रसाद के मुताबिक, हिमालय की तलहटी पर बसे नेपाल के नीचे दो बड़े टेक्टोनिक प्लेट हैं। इसमें एक इंडो-ऑस्ट्रेलियन और दूसरा यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट है।

लोग खुद बोल रहे विकास देखना है तो मध्यप्रदेश में जाना होगा-राजनाथ सिंह

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नेबत दिनों कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश करता है तो भारत उसे सीमा के इस पार और जरूरत पड़ने पर उस पार भी खत्म कर सकता है। सिंह भिंड जिले की गोहद विधानसभा सीट के अंतर्गत खनेता गांव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार लाल सिंह आर्य के लिए प्रचार करते हुए एक रैली को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का गौरव पूरे विश्व में बढ़ रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में विदेशों में लोग कहते थे कि भारत कमजोर देश

है। दुनिया हमारी बातों को बहुत गंभीरता से नहीं लेती थी। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल गई है और अगर भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुछ कहता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है। उन्होंने कहा कि अब आपका भारत कोई कमजोर देश नहीं है। दुनिया की कोई भी ताकत भारत को धमकी देने की हिम्मत नहीं कर सकती। सिंह ने कहा, ''अगर कोई किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश करता है तो भारत उन्हें सीमा के इस तरफ खत्म कर सकता है और जरूरत पड़ने पर सीमा के दूसरी तरफ भी उन पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि भिंड जिले में हर पांच परिवार में से एक व्यक्ति सेना में है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे परिवारों का अभिनंदन करना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पहले बीमारू राज्य था लेकिन देश के लोग अब कह रहे हैं कि अगर विकास देखना है तो मध्य प्रदेश जाना होगा। उन्होंने कहा, ''यह देश का सबसे स्वच्छ राज्य है। मंत्री ने कहा कि 2001-02 में मध्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय केवल 11,718 रुपये थी और अब 2023 में यह 10 गुना बढ़कर 1.40 लाख रुपये से अधिक हो गई है।

राम मंदिर का निर्माण, भारत के भीतर राम राज्य की शुरुआत-योगी

रायपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। छत्तीसगढ़ के कोटा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर राज्य में लव जिहाद और धर्मांतरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। सुकमा जिले की कोंटा सीट उन 20 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां पहले चरण में मतदान होगा। राज्य के 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 20 सीटों पर तथा अन्य 70 सीटों पर 17 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। पहले चरण के लिए प्रचार रविवार शाम को समाप्त हो जाएगा।

सीएम योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण जनवरी में पूरा हो जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश से अधिक छत्तीसगढ़ के लोगों को खुश होना चाहिए क्योंकि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है। राम राज्य का अर्थ है ऐसा शासन जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। योजनाओं का लाभ गरीबों, वंचितों, आदिवासियों सहित हर व्यक्ति तक पहुंचे। योजना का लाभ सभी तक सीधे पहुंचना चाहिए। सभी को सुरक्षा, सुविधाएं और संसाधनों पर अधिकार मिले, यही राम राज्य है। मुख्यमंत्री योगी ने केंद्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, याद रखें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने वास्तव में पिछले साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश में राम राज्य की नींव रखी है। वहीं, उन्होंने भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''यहां (छत्तीसगढ़ में) सरकार लव जिहाद और धर्मांतरण की गतिविधियों पर चुप है। यहां हर तरह से ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह कोई 'सरकार' नहीं है, बल्कि यह एक 'समस्या' बन गई है। कांग्रेस अपने आप में एक समस्या बन गई है। जल्द से जल्द इस समस्या से छुटकारा पाएं और छत्तीसगढ़ के सपनों को साकार करने में सहयोग करें। उन्होंने कोयला, शराब, खनन और लोक सेवा आयोग में कथित घोटालों को लेकर भी बघेल सरकार पर हमला बोला। भाजपा ने कोंटा सीट से सोयम मुक्का मैदान में उतारा है। यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार मौजूदा विधायक और मंत्री कवासी लखमा हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्र को 15 साल की सजा व जुर्माना

भदोही। ज्ञानपुर के पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्र को सामूहिक दुष्कर्म मामले में 15 साल की सजा हो गई है। इसके अलावा एक लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। बता दें कि शुक्रवार को एमपीएमएलए कोर्ट ने विजय मिश्र को दोषी करार दिया था। वहीं पूर्व विधायक के बेटे विष्णु मिश्र और नाती ज्योति उर्फ विकास मिश्र साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त हो गए थे। फैसले के बाद न्यायालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई और डॉग स्क्वाड, क्राइम ब्रांच संग थाने की पुलिस तैनात की गई है। रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने के मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्र समेत कुनबे के छह सदस्यों पर जुलाई 2020 में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके बाद मध्य प्रदेश के आगर से उन्हें गिरफ्तार किया। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बाद वाराणसी की एक

गायिका ने पूर्व विधायक, बेटे विष्णु मिश्र, नाती विकास मिश्र के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया। जिसमें करीब तीन साल से कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। एक सप्ताह पूर्व सुनवाई पूर्ण होने पर तीन नवंबर को सजा के फैसले की सुनवाई की तिथि तय की गई थी। शुक्रवार को सजा को लेकर कोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती संग सीओ, ज्ञानपुर थाने की पुलिस, क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट मोड में रही।

आजम के स्कूल को खाली कराने की नोटिस देने के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारी

रामपुर । सपा नेता आजम खां के जौहर ट्रस्ट को लीज पर मिली जमीन को खाली कराने का नोटिस देने के बाद गत दिनों शिक्षा विभाग की टीम रामपुर पब्लिक स्कूल पहुंची। इस दौरान मौके पर मौजूद अभिभावकों ने जमीन खाली कराने का विरोध किया। उनकी अधिकारियों की कई मुद्दों को लेकर बहस भी हुई। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल संचालकों को नोटिस दे दिया गया है। वह मौके की स्थिति को देखने के लिए पहुंचे थे। योगी सरकारी ने जौहर ट्रस्ट को दी गई जमीन की लीज खत्म कर दी थी। इसके बाद जिलाधिकारी ने पांच सदस्यीय कमेटी बनाकर इसे खाली करवाने के लिए आवश्यक तैयारी के निर्देश दिए थे। तीन नवंबर को शिक्षा विभाग ने आजम खां के जौहर ट्रस्ट संचालकों से सात दिन में जमीन को खाली करने का नोटिस जारी किया था। इसमें चेतावनी देते हुए कहा गया है कि यदि इस जमीन पर बने निर्माण से किसी भी तरह की छेड़छाड़ या फिर उसके स्वरूप में कोई परिवर्तन करने की कोशिश की गई तो कार्रवाई की जाएगी। नोटिस आजम खां के रामपुर पब्लिक स्कूल (आरपीएस) गर्ल्स विंग पर चस्पा भी किया गया है। यूपी सरकार ने सपा शासन में आजम खां के जौहर ट्रस्ट को तोपखाना रोड स्थित शिक्षा विभाग की जमीन और भवन को 30 साल की लीज पर दिया था। जिस पर सपा सरकार में ट्रस्ट की ओर से रामपुर पब्लिक स्कूल (गर्ल्स विंग) खोल दिया गया था। इसके साथ ही इस जमीन पर दारुल आवाम (सपा कार्यालय) भी बनाया गया था। ये सब लीज की शर्तों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। इसकी शिकायत भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने शासन से की तो शासन ने जांच करवाई। इसके बाद डीएम ने रिपोर्ट शासन को भेज दी। जिस पर मंगलवार को योगी कैबिनेट ने लीज को निरस्त कर दिया था।

राज्यपाल को तलब करने पर बदायूं के एसडीएम निलंबित

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण मामले में राज्यपाल को तलब करने पर एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (न्यायिक) को निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम की पहचान बदायूँ के विनीत कुमार के रूप में की गई, जिन्हें यूपी सरकार ने उनकी घोर लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया था। इस बीच, उनके पेशकार (कर्मचारी जो अधिकारी को फाइलें पेश करते हैं) को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा और उन्हें भी निलंबन की सजा सुनाई गई। पिछले महीने, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को समन जारी किया गया था, जिससे उनके कार्यालय को इस तरह की कार्रवाई के खिलाफ मिली संवैधानिक छूट का हवाला देना पड़ा। मामला लोदा बहेरी गांव निवासी चंद्रहास द्वारा एक अन्य व्यक्ति और राज्यपाल को पक्षकार बनाते हुए एसडीएम कोर्ट में दायर जमीन संबंधी याचिका से जुड़ा है। चंद्रहास ने आरोप लगाया कि एक रिश्तेदार ने उनकी चाची कटोरी देवी

की संपत्ति अपने नाम पर लिखवा ली और बाद में जमीन बेच दी गई और बाद में सरकार ने 12 लाख रुपये का मुआवजा देकर अधिग्रहण कर लिया। याचिका पर सुनवाई करते हुए एसडीएम कुमार ने 7 अक्टूबर को यूपी राजस्व संहिता की धारा 144 के तहत जमीन खरीदने वाले व्यक्ति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम समन जारी किया था और उनके प्रतिनिधि को 18 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा था। 10 अक्टूबर को जब पत्र राज्यपाल आवास पहुंचा तो राज्यपाल के विशेष सचिव बद्रीनाथ सिंह ने डीएम को पत्र लिखकर कहा कि एसडीएम को बताया जाये कि राज्यपाल को समन या नोटिस जारी करना संविधान के अनुच्छेद 361 (राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं है) का उल्लंघन है। जानकारी के मुताबिक, डीएम को मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपने का भी निर्देश दिया गया है।

दक्षिण भारत देश का सांस्कृतिक किला कहूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं-राजनाथ सिंह

बंगलूरू । बंगलूरू में इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो-2023 के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अगर दिल्ली राजनीतिक राजधानी है, तो बंगलूरू देश की टेक्नोलॉजी की राजधानी है। उन्होंने कहा कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण आक्रमणकारियों के लिए दक्षिण भारत काफी दूर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ के अनुसार, उत्तर भारत ने सीधे आक्रमणकारियों का सामना किया। आक्रमणकारियों ने उत्तरी भारत में हमारी संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दक्षिणी भारत आक्रमणकारियों से कम प्रभावित हुआ और परिणामस्वरूप, हम दक्षिणी भारत में भारतीय संस्कृति को अधिक जीवंत देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के दृष्टिकोण से अगर दक्षिण भारत को देश का सांस्कृतिक किला कहूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत भारतीय संस्कृति का सुरक्षित घर है।

लखनऊ में धारा 144 लागू

लखनऊ । प्रदेश की राजधानी में धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज, छठ पूजा, गुरुनानक जयन्ती, कार्तिक पूर्णिमा और क्रिसमस पर्व के चलते धारा 144 लागू की गई है। जेसीपी उपेंद्र अग्रवाल ने धारा 144 को लेकर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट को अलर्ट रहने के दिशा-निर्देश जारी किए है। साथ ही विधान सभा की तरफ जाने वाले रास्तों पर घोड़ा गाड़ी, ट्रैक्टर-ट्राली आदि पर भी रोक रहेगी। यह आदेश 31 दिसंबर 2023 तक लागू रहेगा। जेसीपी उपेंद्र अग्रवाल ने कहा है कि दो नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम त्यौहार के साथ ही विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। वहीं वर्तमान में विभिन्न पार्टी कार्यकर्ताओं/भारतीय किसान संगठनों एवं विभिन्न प्रदर्शनकारियों द्वारा धरना प्रदर्शन आदि कार्यक्रम को देखते हुए लखनऊ में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 144 लागू की जा रही है।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन देशभर के पांच लाख मंदिरों में होगी विशेष पूजा

अयोध्या । श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने घोषणा की है कि 22 जनवरी 2024 को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर देश भर के लगभग 5 लाख मंदिरों में एक साथ पूजा की जाएगी। इस भव्य आयोजन को सुविधाजनक बनाने के लिए, राम मंदिर अधिकारी 5 नवंबर को लगभग 45 प्रांतों के कार्यकर्ताओं को पूजित अक्षत का वितरण शुरू करेंगे। अक्षत कच्चा, बिना टूटा हुआ चावल है जो अनुष्ठानों के दौरान देवी-देवताओं को चढ़ाया जाता है। पूरे देश में पूजित अक्षत वितरण का कार्य विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा क्रमबद्ध तरीके से किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एक बयान में कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राणप्रतिष्ठा दिवस अर्थात 22 जनवरी 2024 पर देश भर के पांच लाख से अधिक मंदिरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रण हेतु पूजित अक्षत 5 नवंबर को देश भर के 45 प्रांतों से अयोध्या धाम पधारे कार्यकर्ताओं को समर्पित किये जायेंगे। इस पूजित अक्षत को वे सभी कार्यकर्ता अपने प्रांतो में ले जायेंगे। इस अक्षत के माध्यम से देश के सभी शहर और ग्राम में जनमानस को उत्सव हेतु आमंत्रित किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, भव्य कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से 45 दिनों तक चलेगा। मिली जानकारी के मुताबिक 4 नवंबर को करीब 200 कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचेंगे। उनमें से पांच वहां से अक्षत (पवित्र चावल) से भरे पीतल के कलश ले जाएंगे। यह अक्षत ट्रस्ट की ओर से आमंत्रण का प्रतीक होगा। 5 नवंबर से दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक देशभर के सभी मंदिरों में कार्यकर्ता अक्षत लेकर जाएंगे। 1 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक हाथ में पूजित अक्षत लेकर कार्यकर्ता हर गांव, मोहल्ले और बस्ती में जाकर सभी को महोत्सव में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण देंगे। 22 जनवरी को, अभिषेक के दिन, कार्यकर्ता अपने संबंधित स्थानीय मंदिरों में एकत्र होंगे। वहां भजन-कीर्तन किए जाएंगे और शाम को अपने दरवाजे पर दीपक जलाए जाएंगे।

वर्ष -5, - अंक - 12, दिसम्बर, 2023
www.anivaryaprashna.in
अनिवार्य प्रश्न
हर कलम बिकती नहीं।

बिहार की नीतीश सरकार ने रचा इतिहास

पहली बार पेश किये गये जातीय गणना से जुड़े आर्थिक आंकड़े

पटना। 18 साल में ज्यादा समय तक भारतीय जनता पार्टी और बाकी समय राष्ट्रीय जनता दल-कांग्रेस के साथ मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार की सरकार ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। देश में पहली बार जाति आधारित जनगणना कराने के बाद जाति आधारित आर्थिक सर्वेक्षण भी पहली बार ही पेश किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में यह रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य के 2 करोड़ 76 लाख 68 हजार 930 परिवारों में से 34.13 प्रतिशत, यानी 94 लाख 42 हजार 786 परिवार गरीब हैं। इनमें मुख्य रूप से पांच कोटियां हैं, जिनमें अनुसूचित जातियों के गरीब परिवार सबसे ज्यादा 42.93 प्रतिशत हैं, जबकि सामान्य वर्ग के गरीब परिवार सबसे कम होकर भी 25.09 फीसदी हैं।

02 अक्टूबर को गांधी जयंती के

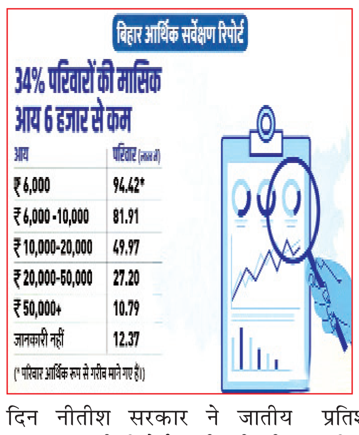

दिन नीतीश सरकार ने जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी की थी। उसी रिपोर्ट से जुड़ा यह आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी किया गया है। जैसे उस रिपोर्ट में लगभग हरेक आदमी की गणना का दावा देखते हुए उसे जनगणना माना गया, उसी तरह इसे वास्तविक स्थिति ही माना जाना चाहिए। इस हिसाब से इस रिपोर्ट को देखें तो बिहार में सबसे ज्यादा 98 लाख 84 हजार 904 परिवार अत्यंत पिछड़ी जातियों के हैं, जिनमें 33.58 प्रतिशत यानी 33 लाख 19 हजार 509 परिवार गरीब हैं। परिवार की संख्या के हिसाब से दूसरे नंबर पर पिछड़ा वर्ग हैं। पिछड़ा वर्ग के राज्य में 74 लाख 73 हजार 529 परिवार हैं, जिनमें 33.16 प्रतिशत यानी 24 लाख 77 हजार 970 परिवार गरीब हैं। तीसरे नंबर पर अनुसूचित जातियों के परिवार की संख्या है। राज्य में अनुसूचित जाति के 54 लाख 72 हजार 024 परिवार हैं, जिनमें 42.93 प्रतिशत यानी 23 लाख 49 हजार 111 परिवार गरीब हैं।सरकार की ओर से कोटिवार आर्थिक रूप से गरीब परिवारों की जो संख्या जारी की गई है, उसमें सामान्य वर्ग के एक चौथाई परिवार गरीब दिख रहे हैं। सामान्य वर्ग के परिवारों की कुल संख्या 42 लाख 28 हजार 282 है, जिनमें 25.09 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। यानी, 10 लाख 85 हजार 913 परिवार सामान्य वर्ग में होकर भी गरीब हैं। पांच प्रमुख कोटियों के अलावा, इस रिपोर्ट में अन्य प्रतिवेदित जातियों का एक कॉलम रखा गया है, जिनके परिवार की कुल संख्या 39 हजार 935 बताई गई है। इनमें 23.72 प्रतिशत, यानी 9474 परिवार गरीब हैं।

सभी गरीबों को आर्थिक मदद का रखा प्रस्ताव

पटना। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, लेकिन असली चुनावी मोड बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान में राज्य की नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार है। जातीय जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री ने आरक्षण बढ़ाने के साथ-साथ सभी गरीबों को आर्थिक मदद का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री के प्रस्ताव के साथ ही विधानसभा की कार्यवाही समाप्ति की घोषणा कर दी गई। बुधवार को कार्यवाही शुरू होने के साथ ही यह बात आगे बढ़ेगी और सरकार इसी सत्र के बाकी तीन दिनों के अंदर सारे प्रस्तावों को अधिसूचना के रूप में जारी कर सकती है।

सोनिया-राहुल गांधी को बड़ा झटका: ईडी ने जब्त की यंग इंडिया, एजेएल की 752 करोड़ की संपत्ति

दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने गत दिनों को बड़ी कार्रवाई करते हुए कांग्रेस से जुड़े एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड

और यंग इंडिया के 752 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है, जिसमें दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे कई शहरों में फैले संपत्ती को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है।प्रवर्तन निदेशालय ने अपने एक बयान में कहा कि मामले की जांच के दौरान यह पाया गया कि AJL और Young Indian की देश के कई शहरों में फैली अचल संपत्तियां अवैध रूप से प्राप्त की गई हैं।नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने करोड़ों रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क करने का आदेश जारी किया है। धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में 751.9 करोड़ रुपये की जांच की गई, जिसमें पता चला कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के पास भारत के कई शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में फैली 661.69 करोड़ की संपत्तियां अपराध से प्राप्त की गई है।- प्रवर्तन निदेशालयमालूम हो कि 1937 में द एसोसिएट नाम से कंपनी बनाई गई थी, इसके मूल निवेशकों में जवाहरलाल नेहरू समेत 5,000 स्वतंत्रता सेनानी थे। यह कंपनी नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आवाज अखबारों का प्रकाशन करती थी। धीरे-धीरे कंपनी घाटे में चली गई और कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड़ रुपये का लोन देकर कंपनी को घाटे की उबारने की कोशिश की। हालांकि, वह सफल नहीं हो पाई।इसी बीच 2010 में यंग इंडिया के नाम से एक अन्य कंपनी बनाई गई, जिसमें 76 प्रतिशत शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास और 12-12 प्रतिशत शेयर मोतीलाल बोरा और आस्कर फर्नांडिस के पास था। कांग्रेस पार्टी ने अपना 90 करोड़ का लोन नई कंपनी यंग इंडिया को ट्रांसफर कर दिया।

साहित्य में काशी का लहराया परचम

स्मारिका विमोचन, लखनऊ में सर्वसम्मति से मनोनयन

लखनऊ। विश्व विद्यालय द्वितीय परिसर के ज्यूरियस हॉल, प्रशासनिक भवन में विश्व जन चेतना ट्रस्ट भारत का पाँचवाँ वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह सुशीला धस्माना 'मुस्कान' की अध्यक्षता, वंशीधर सिंह के मुख्य आथित्य एवं कंचन सिंह परिहार के विशिष्ठ आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न प्रांतों से व देशों से आए 28 कवियों, कवयित्रियों को शाल, शील्ड, अभिनंदन-पत्र, सम्मान-पत्र आदि देकर सम्मानित किया गया। समारोह में आ. राहुल शुक्ल साहिल, राजेश मिश्र श्प्रयास, डॉ. शरद श्रीवास्तव 'शरद', आ. गीतांजलि वार्ष्णेय 'सूर्यांजलि' इंजी. हेमन्त कुमार 'सिंघई', आ. शैलबाला कुमारी के प्रतिनिधि जे. आर. सैनी को मधु-स्मृति सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया।

वहीं आ. नीतेन्द्र कुमार सिंह परमार 'भारत', पं. सुमित शर्मा 'पीयूष' आ. ओम प्रकाश फुलारा 'प्रफुल्ल' को साहित्य प्रेरणा सम्मान-2023 से गौरवान्वित किया गया। कवि शरद कुमार श्रीवास्तव 'शरद' जी को राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुशीला धस्माना 'मुस्कान' राष्ट्रीय अध्यक्ष संरक्षक मण्डल, संतोष कुमार 'प्रीत' को राष्ट्रीय अध्यक्ष, नीतेंद्र सिंह परमार 'भारत' को राष्ट्रीय कार्यक्रम संचालक नियुक्त करते हुए सभी को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। दिनेश अवस्थी जी को शब्द रत्न पुरस्कार -2023 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था की स्मारिका का लोकार्पण किया गया तथा केक काटकर संस्था का वार्षिकोत्सव सहर्ष मनाया गया।

अपने बयान को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश ने मांगी माफी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनसंख्या नियंत्रण पर दिए गए बयान को विधानसभा में माफी मांगी। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने पहले विधानसभा परिसर में सीएम नीतीश का घेराव किया। उन्हें सदन के अंदर नहीं जाने दिया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार विधान परिषद के रास्ते सदन में गए। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने मीडिया के सामने अपने बयान पर माफी मांगी। लेकिन, भाजपा विधायक नहीं माने और विधानसभा में हंगामा करने लगे। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफा की मांग पर अड़ गए। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं तो स्त्री शिक्षा के फायदे बता रहा था। बताया था कि कैसे लड़कियां पढ़-लिख गईं तो जन्मदर में कमी आयी। मैंने जो बात कही, वह सही थी। लेकिन, इसकी चूंकि निंदा की जा रही है और लोगों को लग रहा है कि मैंने गलत बात की या गलत तरीके से कहा है तो मैं माफी मांगता हूं। अपनी बात वापस लेता हूं।

भारत ने सफलतापूर्वक किया प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

बालासोर। भारत ने सफलता पूर्वक सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय का परीक्षण किया। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा तट पर अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। अधिकारियों ने बताया यह परीक्षण अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया। ट्रैकिंग उपकरणों से मिसाइल की ट्रैजेक्टरी का विश्लेषण किया गया। बता दें कि प्रलय मिसाइल की रेंज 350-500 किलोमीटर है और यह 500-1000 किलो पेलोड ले जाने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल एलएसी और एलओसी पर तैनाती के लिए विकसित की गई है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि चीन डोंग फेंग 12 और रूस की इस्केंडर मिसाइलों की तुलना भारत की प्रलय मिसाइल से हो सकती है। यूक्रेन युद्ध में रूस ने इस्केंडर मिसाइल का खूब इस्तेमाल किया है। बता दें कि पाकिस्तान के पास भी इस रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। गौरतलब है कि एक महीने पहले ही भारतीय वायुसेना ने लंबी दूरी की हवा से लॉन्च की जाने वाली ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। वायुसेना ने बंगाल की खाड़ी में यह परीक्षण किया गया, जिसमें फाइटर जेट सुखोई-30एमकेआई से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल लॉन्च की गई। यह मिसाइल 1500 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। ब्रह्मोस मिसाइल भारत के सबसे घातक हथियारों में से एक है।

आपराधिक कानूनों का नाम हिंदी में करने के फैसले पर मुहर

नई दिल्ली। सरकार ने ब्रिटिश हुकूमत के दौर में बने कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य कानून में बदलाव की पहल की है। इस महीने की शुरुआत में, संसदीय पैनल ने कई संशोधनों की पेशकश की थी, लेकिन कानूनों के हिंदी नामों पर कायम रहे। कानूनों के नाम हिंदी में होने के फैसले पर करीब 10 विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया। राजनीतिक दलों द्वारा लगातार इस कदम की आलोचना करने पर संसद की एक समिति ने मंगलवार को साफ कर दिया कि तीन प्रस्तावित आपराधिक कानूनों का नाम हिंदी में होना असंवैधानिक नहीं हैं। भाजपा सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की संसद की स्थायी समिति ने संविधान के अनुच्छेद 348 को संज्ञान में लिया। दरअसल, अनुच्छेद 348 के अनुसार शीर्ष अदालत और हाईकोर्ट के साथ-साथ अधिनियमों, विधेयकों और अन्य कानूनी दस्तावेजों में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा अंग्रेजी भाषा होनी चाहिए।

राज्यसभा में समिति द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया, समिति ने संहिता शब्द को अंग्रेजी में भी पाया, इसलिए यह संविधान के अनुच्छेद 348 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करता है। समिति गृह मंत्रालय के जवाब से संतुष्ट है। साथ ही बात से सहमत है कि प्रस्तावित कानूनों को दिए गए नाम अनुच्छेद 348 का उल्लंघन नहीं हैं। बता दें कि सरकार ने ब्रिटिश हुकूमत के दौर में बने कानून- भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य कानून में बदलाव की पहल की है। बीते अगस्त में संसद के मॉनसून सत्र के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय

न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक पेश किया था। उन्होंने सभापति से विधेयकों में बदलाव की विस्तृत जांच के लिए इसे स्थायी समिति के पास भेजने का आग्रह किया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने विधेयकों को हिंदी नाम देने पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि विधेयकों को हिंदी नाम नहीं दिया जा सकता है। लेकिन जब अंग्रेजी को इस्तेमाल किया जाता है तो इनके नाम अंग्रेजी में दिए जाने चाहिए। अगर हिंदी का इस्तेमाल किया जाता तो हिंदी नाम दे सकते थे। हालांकि, जब कानूनों का मसौदा तैयार किया जाता है, तो यह अंग्रजी में तैयार किया जाता है। वहीं, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने भी प्रस्तावित आपराधिक कानूनों के लिए हिंदी नामों के उपयोग के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई थी। इसके अलावा, मद्रास बार एसोसिएशन ने तीनों विधेयकों का नाम हिंदी में रखने के केंद्र के कदम को संविधान के खिलाफ बताया है। एसोसिएशन ने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पारित किया है।

दो पीसीएस अफसरों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

लखनऊ। लखनऊ- वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के लिए भूमि अधिग्रहण में नियम विरुद्ध मुआवजा देने वाले दो पीसीएस अधिकारियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अमेठी में एसडीएम के पद पर तैनात रहे दोनों अफसरों आरडी राम और अशोक कुमार कनौजिया ने किसानों को तीन गुना से अधिक मुआवजा बांट दिया था। इससे राज्य सरकार को 382 करोड़ रुपये की हानि हुई। प्रकरण में 11 अक्तूबर को अमेठी के मुसाफिरखाना थाने में दोनों अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। ईडी ने इसे आधार बनाकर दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 2014 में एनएच-56 को फोरलेन करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुरोध पर राजस्व विभाग ने सड़क चौड़ीकरण के अलावा जगदीशपुर व मुसाफिरखाना में कस्बे से बाहर बाईपास बनाने के लिए सर्वे किया।

देश-धर्म की रक्षा की प्रेरणा देता है सिख गुरुओं का बलिदान-योगी

लनखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों आलमबाग में खालसा चौक का लोकार्पण किया। टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाने वाला यह चौराहा अब खालसा चौक के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए इशारों-इशारों में सपा सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित होने वाली इफ्तार पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उनसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में अन्य तरह के आयोजन होते थे। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिन्द सिंह जी के ज्योति ज्योत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह महाराज ने विदेशी आक्रांताओं से भारत के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने मातृभूमि की रक्षा में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हम सबको देश और धर्म की रक्षा की प्रेरणा प्रदान करता है। सीएम योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास हमें भारत की गौरवशाली विजयगाथा का स्मरण कराता है।

हर हाल में पराली जलना बंद हो-सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली वायु प्रदूषण के मुद्दे के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराने के लिए

केंद्र और राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी और पड़ोसी राज्यों में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। अदालत भारत में पटाखों की बिक्री, खरीद और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाएं राजस्थान राज्य से संबंधित थीं, जिसमें याचिकाकर्ता ने बताया कि पटाखा प्रतिबंध पर आधिपत्य का आदेश पूरे देश में लागू होना चाहिए, लेकिन यह दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित है। सुनवाई के दौरान जस्टिस एसके कौल ने कहा कि पंजाब में अब भी पराली जल रही है। तकनीक उपलब्ध है। इसकी तस्वीरें भी दिखाई जा रही हैं। मैं लास्ट वीकेंड पंजाब से गुजर रहा था और सड़क के दोनों ओर पराली जल रही थी। दिल्ली को इस तरह साल दर साल आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। दिल्ली प्रदूषण और पराली जलाने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि हम जो देख रहे हैं कि ये एक दोषारोपण का खेल है। हर कोई इसे आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यही वजह है कि इसका समाधान नहीं चाहता।

डीएम ने तहसील सभागार में की जनसुनवाई

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम तथा डीसीपी गोमती प्रबल प्रताप सिंह द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस पर राजातालाब तहसील सभागार में जनसुनवाई की गयी। इस दौरान मिल्कीचक गंगापुर के छेदीलाल द्वारा विद्युत बिल में सुधार कराने के लिए चार समाधान दिवसों में आवेदन देने के बाद भी कोई कार्यवाही न किये जाने की शिकायत पर गहरी नाराजगी जताई और बताया कि 20 मई 2023 को 505 का बिल जमा किया गया और बकाया बिल रहा, इसके पश्चात 24 जुलाई 2023 को 500 का बिल जमा किया तो बकाया राशि 63910 की धनराशि अंकित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अभियंता के खिलाफ शासन को पत्र भेजने का निर्देश दिया तथा एक्सियन हाइडिल को जांच कर समाधान कराने का निर्देश दिया। कुंडरियां गांव थाना जंसा के रमेश सिंह द्वारा शिकायती पत्र दिया गया कि गांव के ही शिवबली पुत्र स्व. रामराज सिंह, सुभाष पुत्र स्व. धर्मराज व अन्य द्वारा सरकारी जमीन, बंजर पर पेड़ काट रहे हैं और मिट्टी डालकर कब्जा कर रहे हैं। आराजी नं 989 रकबा 1.58डि. 1319 व 1334 के खाते में बंजर दर्ज है। वहीं आराजी नं. वर्तमान की खतौनी में 989/2 बंजर की भूमि में दर्ज 989/1, 989/2, 989/4 तथा 989/5 भिन्न- भिन्न भूमिधरी में दर्ज कराया गया है। कार्नामा सरकारी जमीन को प्राइवेट व्यक्ति के नाम चढ़ाने के लिए यह कार्नामा कब्जा किसके द्वारा कराया गया। इसकी जांच कर जिम्मेदारी तय करने और निस्तारण कराने के निर्देश एसडीएम राजातालाब को दिया। ग्राम करौती लोहता के अंकित सिंह द्वारा शिकायती पत्र दिया गया कि बंजर भूमि पर सैकड़ों वर्ष पुराना सार्वजनिक रास्ता कायम है। जिसे विपक्षीगण अभय नारायण सिंह पुत्र मुल्लन सिंह व अन्य द्वारा गेट लगा कर रास्ता अवरूद्ध कर दिया गया। जिलाधिकारी ने एसडीएम को निर्देशित किया कि धारा 33/39 में बंजर जमीन को किस नियम के तहत आबादी कराया गया। जांच करा कर आवश्यक कार्रवाई करें और त्रुटि सुधार की कार्रवाई करें। भूमि की वास्तविक स्थिति ज्ञात होने पर ही अगली कार्रवाई निर्भर करेगी। ग्राम भतसार, जन्सा के उमराल पाल ? के भाई तथा पुत्रगण ने शिकायत की कि विपक्षीगण झरिहक पुत्र जगरदेव तथा झरिहक के पुत्रगण काश्तकारी नहीं करने दे रहे हैं। जिसपर एसीपी राजातालाब ने राजस्व टीम के साथ मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण कराने हेतु डीसीपी गोमती प्रबल प्रताप सिंह द्वारा निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने जोर देते हुए निर्देशित किया है कि किसी भी वाद के निस्तारण में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखें और यदि किसी मामले में विधिक/नियम की जानकारी अपेक्षित हो तो एसडीएम अथवा वरिष्ठ अधिकारी के संज्ञान में लायें तत्पश्चात् निस्तारण करें।

यूपी एटीएस ने आतंकियों के मंसूबे पर फेरा पानी,दो गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी एटीएस ने आईएसआईएस से जुड़े दो आतंकियों को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। ये लोग यूपी में बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने अब्दुल्ला अर्सलान और माज बिन तारिक को गिरफ्तार किया है। एटीएस को उनके पास से आईएसआईएस से जुड़ा साहित्य और प्रोपेगेंडा की सामग्री से भरी पेन ड्राइव बरामद हुई है। एटीएस ने दोनों आतंकियों को कोर्ट में पेश किया जल्द ही उन्हें कस्टडी रिमांड पर लिया जाएगा।

यूपी के पांच अस्पतालों में ई-आफिस प्रणाली होगी लागू-डिप्टी सीएम

लखनऊ। यूपी के पांच अस्पतालों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू होगी। इसका मकसद कार्यालय के सभी पत्र, पत्रावली, फाइल का डिजिटलाइजेशन करना है। फाइल व पत्रावलियों को तलाशना आसान होगा। कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी। फाइलों के गायब होने की आशंका कम होगी। कम समय में फाइलें खोजी जा सकेंगी।

अभी सचिवालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पांच अस्पतालों में ई-हॉस्पिटल प्रणाली लागू करने के लिए धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश जारी कर दिए है। उन्होंने बताया कि परदर्शिता लाने के लिए सचिवालय की भांति प्रदेश के पांच मेडिकल संस्थानों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी। इसके लिए 7134. 90 लाख रुपये के बजट की व्यवस्था है। प्रथम चरण में संजय गांधी पीजीआई, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, केजीएमयू, कल्याण सिंह अतिविशिष्ठ कैंसर संस्थान तथा कानपुर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में यह व्यवस्था लागू की जायेगी। पहली किश्त के रूप में 188.44 लाख की धनराशि जारी किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यदायी संस्था यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कार्पोरेशन को जल्द से जल्द कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ई-आफिस एक डिजिटल वर्क प्लेस साल्यूशन है। इसे लागू करने की दिशा में कवायद तेज कर दी गई है। शुरूआत प्रदेश के पांच अस्पतालों से की गई है। प्रयोग सफल होने पर दूसरे मेडिकल संस्थानों में व्यवस्था लागू की जायेगी।

नेताजी के बाद सपा में जनता की आवाज उठाने वालों को जगह नहीं

लखनऊ। सपा के महासचिव व पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। उनके साथ ही उनकी बेटी डॉ. पूर्वी वर्मा भी कांग्रेसी हो गईं।

रवि वर्मा ने कहा कि अब सपा समाजवाद के सिद्धांत से भटक गई है। वहां पूंजीवादी व्यवस्था हावी है। उन्होंने कहा कि हम सबने कठिन परिश्रम करके साइकिल के निशान को प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचाया है पर अब सपा में काम करना मुश्किल हो रहा है। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा में मेहनती और जनता की आवाज उठाने वालों के लिए जगह नहीं है इसलिए अब सपा से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी का दिल से स्वागत करते हैं। कांग्रेस पार्टी समाज के हर तबके के हितों की रक्षा के लिए काम करती है।

इसके पहले, शनिवार को पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी डॉ. पूवी वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद डॉ. पूर्वी वर्मा ने एक्स पर फोटो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि बड़ों का आशीर्वाद लेकर अब आगे बढ़ने का समय है। इस फोटो के शेयर होने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेसियों ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया था।

मोम के आदमी का पत्थरी कंक्रीट से प्रेम, क्या होगा भविष्य?

“क्या आप आग उगलती पत्थर की दुनिया देखना चाहेंगे? जैसे कई अनिवार्य प्रश्न पूछते हुए कंक्रीट के मानवीय लगाव के दुष्परिणाम को रेखांकित कर रहे हैं वरिष्ठ लेखक छतिश द्विवेदी ‘कुंठित’”

अनेक शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि मनुष्य धर्म सबसे श्रेष्ठ धर्म है। यहां तक की गीता भी मानव योनि को सबसे श्रेष्ठ योनी बताती है, लेकिन मनुष्यों ने संसार को अपने अनुकूल बनाने में संसार का जितना नुकसान किया है इसकी बारी-बारी गिनती संभव नहीं है। मनुष्य प्रत्येक वस्तु को अपने अनुकूल करते हुए अपनी कठिनाइयों को क्रमशः दूर करना चाहता है और अब तक करता रहा है। अंधेरे से बचने के लिए उसने रोशनी का निर्माण किया अर्थात बिजली बनाई और बिजली से हजारों लोगों को लाभ तो हुआ लेकिन लाखों जिंदगियों को नुकसान भी पहुंचा है। इस तरह मनुष्य ने अपने घर मकान, रास्तों में जिस तरह से कंक्रीट का उपयोग किया है वह भी बेहिसाब किया है। कंक्रीट के उपयोग के लाभ से मुकरना तो संभव नहीं है ना ही ऐसा करना सही है लेकिन उसके नुकसान के सापेक्ष मौन रहना भी सामाजिक अपराधह ही है।विगत दो चार दशकों में मानव समाज ने अपने घर मकान, कंपनी, जीवन के अन्य सरोकार के संसाधन व सड़क निर्माण में जिस तरह से कंक्रीट का उपयोग किया है उस उपयोग की गति बहुत भयावह है। अनेक चीजों के कई सम्मिलान के बाद तब कंक्रीट तैयार होता है लेकिन उसके सिर्फ एक अवयव सीमेंट की बात करें तो विगत एक दशक में सीमेंट के उपयोग में काफी वृद्धि हुई है। 2013 में दुनिया भरने में लगभग 3.7 बिलियन टन सीमेंट का उत्पादन या उपयोग किया जाता था। वहीं 2023 में यह मात्रा बढ़कर 6.5 मिलियन टन हो गयी है। लगभग दुगुनी के आसपास। सीमेंट की यह वृद्धि, यह डर पैदा करता है कि शहरीकरण, औद्योगिकरण और सुविधाकरण का यह बहाव दुनिया को कहीं ऐसे मकाम पर ले जा कर ना खड़ा कर दे जहां धरती सूरज की तर्ज पर आग से जलकर भुन जाए।

सीमेंट के उत्पादन और उपयोग से मृदा प्रदूषण काफी बढ़ जाता है। सीमेंट के उत्पादन में चूना, पत्थर और एल्युमिना को ऊंचे तापमान पर गर्म किया जाता है। इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में धूल और धुएं का उत्सर्जन होता है। वैज्ञानिक व विद्वान यह खूब जानते हैं की धूल और धुँआ मृदा में और वायुमंडल में प्रवेश करने से प्रदूषण को काफी बड़े पैमाने पर देखना पड़ता है। जैसा की सीमेंट का अपना स्वभाव है कि वह पानी को अधिक खपत करता है फिर बाद में पानी शिवरेज के रूप में छोड़ा जाता है। जिससे जल प्रदूषण भी काफी होता है। निर्माण कार्य में भी सीमेंट व कंक्रीट के इस्तेमाल से जल प्रदूषण देखा जाता है। साथ कंक्रीट के एक बड़े अवयव के रूप में जाना जाने वाला सीमेंट ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में भी बड़ा रोल करता है। इसके निर्माण में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का भी उत्सर्जन होता है जिससे वायुमंडल में गर्मी बढ़ जाती है। साथ ही एक कंक्रीट तमाम रोशनियों, वायुमंडल की उष्मा व सूरज की किरनों को अवशोषित कर उसे और अधिक ताप बढ़ाकर इसी धरती के वायुमंडल को सौंप देता है जिससे धरती के वायुमंडल में काफी जलन व आग फैल जाती है।

विगत कुछ वर्षों से बहुत बार सुना जाता है कि गर्मी की फसलों जैसे गेहूं में आग लगने की बात खबरों में आती है। आज से 50 से 100 वर्ष पहले कभी भी फसलों में स्वतः आग लगने की घटना प्रकाश में नहीं आती थी। कंक्रीट के बढ़ते प्रभाव से बढ़े ग्लोबल वार्मिंग के कारण अब स्वाभाविक रूप से सूखी फसलें अपने आप जल जाती हैं। शहरों की देखा देखी अब गांव में भी हर आदमी द्वारा कंक्रीट के मकान व छतों का निर्माण काफी तेजी से किया जा रहा है। पहले पत्थरों की सड़क बनती थी अब डामर की सड़कों को भी बनाना छोड़कर आरसीसी सड़कें ही बनाई जा रही हैं। ब्रिज भी आरसीसी ही बनाये जा रहे हैं।ऐसे में घर से बाहर तक पसरते कंक्रीट ने विश्व के तापमान को बढ़ा दिया है तथा तापमान बढ़ने के कारण बड़े स्तर पर जलवायु परिवर्तन देखने को मिल रहा है। जब बारिश होनी चाहिए तो सूखा पड़ रहा है, जब मौसम खुश्क होना चाहिए तो बारिश हो रही है। प्रकृति अपने सहज चलन-प्रवाह को बदल रही है। मौसम अब पर्यावरण चक्र के हिसाब से नहीं बल्कि मानव के हस्तक्षेप से प्रभावित तथा परिवर्तित समय पर आ और जा रहे हैं। अपनी जरूरत के दृष्टिगत अपने अनुकूल धरती व संसार को करते-करते आदमी संपूर्ण सृष्टि को अपने अनुसार कर लेने पर आमादा है। कुछ दिनों बाद यह सृष्टि में रहेगा या नहीं इस बात पर भी प्रश्न उठने लगा हैं। साथ ही प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या मनुष्य जाति और जातियों के लिए खतरा हो गयई है? कंक्रीट के उपयोग को रोकना तो संभव नहीं है, पर इसके सार्थक उपयोग के लिए सरकारों को सोचना पड़ेगा। समाज को और तमाम स्वयं सेवी संगठनों को भी इस ओर सोचना होगा कि क्या हमें अब ऋषियों की कुटिया की तरफ लौटने की घड़ी आ रही है? व्यापक धरती पर बहुमंजी इमारत की आवश्यकता क्या सही में है? या हम कोरे व्यापार में आकण्ठ डूबे जा रहे हैं। खासकर ऐसा निर्माण किस काम का है जो सौ-पचास साल बाद फिर ट्विंस टावर की तरह जमीदोज करना पड़े और उसकी धूल से सैकड़ों वर्ग किलोमीटर का पूरा सामुदायिक जीवन प्रभावित हो।क्या हम हाड़ मांस के बने कोमल लोगों को कृत्रिम पत्थर व कंक्रीट की उतनी जगहों पर जरुरत है जितनी हम उसके लिए दीवाने हैं? सवाल अनेक हैं पर उत्तर सिर्फ एक ही है, कि सबको जागना होगा और इसके उपयोग में और सावधानी लानी होगी, जग कल्याण के स्तर पर इसकी वाकई समीक्षा करनी होगी। समाज स्वयं न चेते तो सरकार किस लिये है? अब यह सपना नहीं है कि पूरी धरती को कंक्रीट की परत ढँक लेगी। और चारों ओर आग बरसेगी। क्या आप आग उगलती पत्थर की दुनिया देखना चाहेंगे? मै तो नहीं चाहता।

वर्ष	सीमेंट का उत्पादन (टन)
2013	3.7 बिलियन
2014	3.9 बिलियन
2015	4.1 बिलियन
2016	4.3 बिलियन
2017	4.5 बिलियन
2018	4.6 बिलियन
2019	4.8 बिलियन
2020	4.9 बिलियन
2021	5.1 बिलियन
2022	5.3 बिलियन
2023	5.5 बिलियन

लेखक अनिवार्य प्रश्न अखबार, उद्गार संस्था और स्याही प्रकाशन के संस्थापक हैं।

अमृत बेला में,अमृतप्राणा प्रकृति की,अमृत वर्षा

डा. डी. आर.विश्व कर्मा
लेखक मुख्य विकास अधिकारी रहे है

अमृत बेला को ब्रम्ह मुहूर्त भी कहते है, इस समय प्रकृति शांत रहती हैं। यह समय स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से भी बहुत अच्छा माना जाता है। तो आइए ब्रह्म मुहूर्त को और अच्छे से समझें। ब्रह्म मुहूर्त दो शब्दों के संयोजन से बना है, ब्रह्म का मतलब परमात्मा,और मुहूर्त का मतलब समय, हमारे मनीषियों ने एक मुहूर्त के समय को 48 मिनट का बताया है। हम सभी जानते हैं कि भौगोलिक स्थिति और ऋतुओं के अनुसार सूर्योदय का समय बदलता रहता है, इस सूर्योदय से दो मुहूर्त यानि 96 मिनट पहले के समय को ब्रह्म मुहूर्त या ब्रह्मबेला कहते हैं। इस समय सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अपने चरम पर होता है।हमारे ऋषियों, महर्षियों ने कहा है,

"ब्रह्म मुहूर्ते बुध्येत" यानि ब्रह्म बेला में जग जाने की हिदायतें दी हैं। इस समय काल में प्रकृति अमृत प्राणा होती है।

भू वैज्ञानिकों का भी कहना है कि ब्रह्म मुहूर्त का समय बदलता रहता है। कुछ लोग ब्रह्म मुहूर्त के समय को 4:24 बजे से 5:12 बजे का मानते है, कुछ लोग 4 बजे से 6 बजे के समय को ब्रह्म मुहूर्त मानते हैं। गर्मी, जाड़े व बर्षात में ब्रह्म मुहूर्त का समय भिन्न भिन्न हो जाता है क्योंकि सूर्योदय का समय भी ऋतु अनुसार बदल जाता है।

कहते है कि जिस किसी को अच्छी सेहत, ताजगी व ऊर्जा पाने की लालसा हो उन्हें ब्रह्म मुहूर्त में जागने का अभ्यास करना चाहिए। इस समय व्यक्ति का दिमाग स्थिर रहता है, वातावरण स्वच्छ होने के कारण देव उपासना, ध्यान, योग, पूजा का भी यह उपयुक्त समय होता है। तन, मन, बुद्धि को पुष्ट करने का यह अति उत्तम समय माना जाता है।

अष्टांग हृदय में भी वर्णित है की जो साधक ध्यान में गहरे उतरना चहते हों उन्हें ब्रह्म मुहूर्त में ध्यान लगाने का अभ्यास करना अति उत्तम होता है । कहते है कि जो व्यक्ति नियम पूर्वक ब्रह्म मुहूर्त में जागते है उनकी उम्र बढ़ने की क्रिया धीमी होने लगती है।

ब्रह्म मुहूर्त में जागने के वैज्ञानिकों ने भी अनेक फायदे बताए हैं ब्रह्म मुहूर्त में पिट्यूटरी ग्लैंड का स्राव ज्यादा होता है, इस समय व्यक्ति को गुस्सा, लालच, ईर्ष्या कम होता है। अचेतन मन ज्यादा कारगर होता है। नकारात्मकता कम होती है। शरीर में स्फूर्ति ज्यादा होती है। इस समय व्यक्ति में सृजनात्मकता की अभिवृद्धि होती है, जो कुछ भी पढ़ा जाता है, उसकी मस्तिष्क में धारणा अच्छी होती है। वास्तव में ब्रह्म मुहूर्त का समय जादुई समय होता है। निरोगी एवम स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वालों को एवम शिखर पर पहुंचने की आकांक्षा रखने वालों को ब्रह्म मुहूर्त में जागना नितांत आवश्यक है। यह समय बल वर्धक एवम सौंदर्य को बढ़ाने वाला भी माना जाता है। एक अंग्रेजी कहावत भी कही जाती है,

Early to bed and early to rise, makes a man healthy wealthy and wise

पौराणिक आख्यानों व शास्त्रों में ब्रह्म मुहूर्त के लाभों का भी ज़िक हुआ है, आइए उस पर भी अनुशीलन करें।

ब्रह्म मुहूर्त में उठने से व्यक्ति को सुंदरता, लक्ष्मी, बुद्धि, स्वास्थ्य, आयु की प्राप्ति होती है, ऐसा होने से शरीर कमल के समान सुंदर हो जाता है।

ब्रह्म मुहूर्त में प्रकृति पशु,पक्षी जग जाते हैं, कलरव करते हैं, पुष्प खिल जाते हैं, मुर्गे बाग देते हैं, प्रकृति चैतन्य रहती है।

ब्रह्म मुहूर्त व आयुर्वेद, आयुर्वेद में वर्णित है कि ब्रह्म मुहूर्त में प्रकृति अमृत तुल्य होती है, उस समय में बहने वाली वायु कई रोगों की दवा भी मानी जाती है, जो संजीवनी शक्ति का कार्य करती है। इस मुहूर्त में टहलने का परिणाम सर्वोत्तम होता है। शरीर, मन, मस्तिष्क में स्फूर्ति,ताजगी आती है। व्यक्ति को सुख, समृद्धि, सफलता की प्राप्ति हेतु ब्रह्म मुहूर्त में अवश्य जग जाना चाहिए। शास्त्रों, वेदों व पौराणिक आख्यानों में ब्रह्म मुहूर्त में उठने के तमाम फायदे बताएं गए हैं।

ऋग्वेद में कहा गया है कि सुबह सूर्य उदय होने से पहले उठाने वाले व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होता है। इसी लिए बुद्धिमान लोग इस समय को व्यर्थ नहीं गवाते। सुबह जल्दी उठने वाला व्यक्ति स्वस्थ्य, सूखी, ताकतवर और दीघार्यु होता है।

सामवेद में वर्णित हैं कि व्यक्ति को सुबह सूर्योदय से पहले शौच व स्नान कर लेना चाहिए, इसके बाद पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस समय में शुद्ध व निर्मल हवा से स्वास्थ्य और संपत्ति की वृद्धि होती है। अथर्व वेद ब्रह्म मुहूर्त के बारे में कहता है कि सूरज उगने के बाद भी जो व्यक्ति नही उठता या जागता है, उसका तेज खत्म हो जाता है। उक्त विश्लेषण से हमे ज्ञात होता है कि कितना लाभ प्रद होता है ब्रह्म मुहूर्त में जग जाना।

भारतीय समाज से क्या कभी खत्म हो पायेगी दहेज प्रथा

रविन्द्र प्रजापति

दहेज प्रथा भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो समाज में समाजिक, आर्थिक, और मानसिक स्तर पर गहरा प्रभाव डालता है। यह एक प्राचीन प्रथा है जिसमें विवाह के समय दुल्हन के परिवार द्वारा धन, संपत्ति, और अन्य वस्त्रादि की मांग की जाती है। यह प्रथा विवाहिता के परिवार द्वारा न्यूनतम या अनिवार्य धनराशि के प्रदान को बढ़ा देती है, जिससे समाज में आर्थिक दबाव बढ़ता है।

दहेज प्रथा एक समस्या है जो भारतीय समाज में गहरे रूप से जड़ जमा चुकी है। इसे समाप्त करने के लिए समाज, सरकार और संगठनों को संगठित तरीके से कदम उठाने चाहिए। दहेज प्रथा का नाश समाज में समानता, जागरूकता और समझदारी के माध्यम से संभव है। इसे खत्म करने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी परिवर्तन आवश्यक हैं।

दहेज प्रथा भारतीय समाज की भूमि में गहरी जड़ें डाल चुकी है, जिसका परिणाम यह होता है कि बड़े भाग में लोगों के मानसिकता में इसको स्वीकार करने की प्रवृत्ति होती है। इसे एक अनिवार्य और मानवता विरोधी प्रथा के रूप में देखा जाता है। यह महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करती है और उन्हें समाज में असमानता का सामना करना पड़ता है।

दहेज प्रथा का मुख्य कारण है लोगों की सोच में बदलाव नहीं आना। समाज में इसे मान्यता दी जाती है और इसे एक समाजिक समस्या के रूप में नहीं देखा जाता है। महिलाओं की निगरानी और उनके साथ समानता की मांग करने की जरूरत है।

दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए उपायों की जरूरत है। सरकारी नीतियों को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में जागरूकता फैलाने की भी जरूरत है। बच्चों को शिक्षा में समानता और सही जागरूकता देना चाहिए।

इस समस्या को हल करने के लिए आपको समाज में जागरूकता फैलानी होगी। समाज में समानता की भावना और महिलाओं के साथ समान व्यवहार करने की आदत डालनी चाहिए।

इस समस्या का समाधान समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। दहेज प्रथा के खिलाफ लड़ने के लिए सामाजिक संगठनों, सरकारी अधिकारियों और समाज के नेताओं को साथ मिलकर काम करना होगा।

कई लोग इसे लेकर अब निराश हो चुके हैं लेकिन विद्वानों का मानना है कि इसे समाप्त करना आज भी संभव है। इस समस्या को हल करने के लिए हमें समाज के हर स्तर पर कदम उठाने की जरूरत है।

पहला कदम है जागरूकता। लोगों को दहेज प्रथा के खतरों और उसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना चाहिए। समाज में इस प्रथा को नकारने और महिलाओं को समानता और सम्मान की दिशा में बदलाव लाने की जरूरत है। सामाजिक मीडिया, शिक्षा, अभियान और समाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता फैलानी चाहिए।

दूसरा कदम है समानता की भावना को प्रोत्साहित करना। समाज में महिलाओं को समान अधिकार और स्थान देना चाहिए। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, और स्वतंत्रता का पूरा हक देना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

तीसरा कदम है कानूनी प्रणाली को मजबूत करना। सरकार को दहेज प्रथा के खिलाफ कठोर कदम उठाने चाहिए। वहाँ पर कठोर कानून होने चाहिए जो इस प्रथा को बंद करें और उसका पालन-पोषण करें।

चौथा कदम है समाज में सहयोग और सहभागिता को बढ़ाना। समाज के हर व्यक्ति को इस मुहिम में शामिल होना चाहिए। साथ मिलकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की दिशा में काम करना चाहिए।

पाँचवा कदम है विकल्पों का प्रदान करना। समाज में विभिन्न तरीकों से इस प्रथा को समाप्त करने के लिए समाधान ढूंढने की जरूरत है। जैसे कि, शैक्षिक कार्यक्रम, बचत योजनाएं, समाज सेवा योजनाएं, और समाज में दहेज के खिलाफ जागरूकता अभियान।

दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए हमें समाज में जागरूकता, समर्थन, और संघर्ष की जरूरत है। यह समस्या एकमात्र सरकार या संगठनों के समाधान से ही नहीं, समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी से हल हो सकती है।

अंततः कहा जाये तो दहेज प्रथा एक ऐसी सोच है जो समाज की प्रगति को रोक देती है। इसे समाप्त करने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। यह समाज की सोच को बदलकर समाज में समानता और समझदारी लाने में मदद करेगा। असम्भव तो लगता है पर इसे दूर किया जा सकता है। समाज इससे मुक्ति पा सकता है।

अन्तिम प्यार –रवीन्द्रनाथ ठाकुर

बांग्ला कहानी का हिन्दीअनुवाद

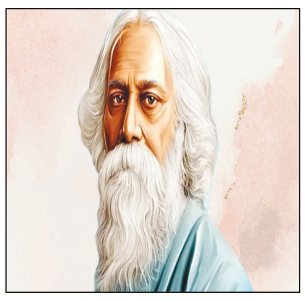

आर्ट स्कूल के प्रोफेसर मनमोहन बाबू घर पर बैठे मित्रों के साथ मनोरंजन कर रहे थे, ठीक उसी समय योगेश बाबू ने कमरे में प्रवेश किया।

योगेश बाबू अच्छे चित्रकार थे, उन्होंने अभी थोड़े समय पूर्व ही स्कूल छोड़ा था। उन्हें देखकर एक व्यक्ति ने कहा-योगेश बाबू! नरेन्द्र क्या कहता है, आपने सुना कुछ?

योगेश बाबू ने आराम-कुर्सी पर बैठकर पहले तो एक लम्बी सांस ली, पश्चात बोले-क्या कहता है?

नरेन्द्र कहता है- बंग-प्रान्त में उसकी कोटि का कोई भी चित्रकार इस समय नहीं है।

ठीक है, अभी कल का छोकरा है न। हम लोग तो जैसे आज तक घास छीलते रहे हैं। झुंझलाकर योगेश बाबू ने कहा।

जो लड़का बातें कर रहा था, उसने कहा-केवल यही नहीं, नरेन्द्र आपको भी सम्मान की दृष्टि से नहीं देखता।

योगेश बाबू ने उपेक्षित भाव से कहा-क्यों, कोई अपराध!

वह कहता है आप आदर्श का ध्यान रखकर चित्र नहीं बनाते।

तो किस दृष्टिकोण से बनाता हूं?

दृष्टिकोण...?

रुपये के लिए।

योगेश ने एक आंख बन्द करके कहा-व्यर्थ! फिर आवेश में कान के पास से अपने अस्त-व्यस्त बालों को ठीक कर बहुत देर तक मौन बैठा रहा। चीन का जो सबसे बड़ा चित्रकार हुआ है उसके बाल भी बहुत बड़े थे। यही कारण था कि योगेश ने भी स्वभाव-विरुद्ध सिर पर लम्बे-लम्बे बाल रखे हुए थे। ये बाल उसके मुख पर बिल्कुल नहीं भाते थे। क्योंकि बचपन में एक बार चेचक के आक्रमण से उनके प्राण तो बच गये थे। किन्तु मुख बहुत कुरूप हो गया था। एक तो स्याम-वर्ण, दूसरे चेचक के दाग। चेहरा देखकर सहसा यही जान पड़ता था, मानो किसी ने बन्दूक में छर्रे भरकर लिबलिबी दाब दी हो।

कमरे में जो लड़के बैठे थे, योगेश बाबू को क्रोधित देखकर उसके सामने ही मुंह बन्द करके हंस रहे थे।

सहसा वह हंसी योगेश बाबू ने भी देख ली, क्रोधित स्वर में बोले-तुम लोग हंस रहे हो, क्यों?

एक लड़के ने चाटुकारिता से जल्दी-जल्दी कहा-नहीं महाशय! आपको क्रोध आये और हम लोग हंसे, यह भला कभी सम्भव हो सकता है?

ऊंह! मैं समझ गया, अब अधिक चातुर्य की आवश्यकता नहीं। क्या तुम लोग यह कहना चाहते हो कि अब तक तुम सब दांत निकालकर रो रहे थे, मैं ऐसा मूर्ख नहीं हूं? यह कहकर उन्होंने आंखें बन्द कर ली।

लड़कों ने किसी प्रकार हंसी रोककर कहा-चलिए यों ही सही, हम हंसते ही थे और रोते भी क्यों? पर हम नरेन्द्र के पागलपन को सोचकर हंसते थे। वह देखो मास्टर साहब के साथ नरेन्द्र भी आ रहा है।

मास्टर साहब के साथ-साथ नरेन्द्र भी कमरे में आ गया।

योगेश ने एक बार नरेन्द्र की ओर वक्र दृष्टि से देखकर मनमोहन बाबू से कहा-महाशय! नरेन्द्र मेरे विषय में क्या कहता है?

मनमोहन बाबू जानते थे कि उन दोनों की लगती है। दो पाषाण जब परस्पर टकराते हैं तो अग्नि उत्पन्न हो ही जाती है। अतएव वह बात को संभालते, मुस्कराते-से बोले-योगेश बाबू, नरेन्द्र क्या कहता है?

नरेन्द्र कहता है कि मैं रुपये के दृष्टिकोण से चित्र बनाता हूं। मेरा कोई आदर्श नहीं है?

मनमोहन बाबू ने पूछा- क्यों नरेन्द्र?

नरेन्द्र अब तक मौन खड़ा था, अब किसी प्रकार आगे आकर बोला-हां कहता हूं, मेरी यही सम्मति है।'

योगेश बाबू ने मुंह बनाकर कहा-बड़े सम्मति देने वाले आये। छोटे मुंह बड़ी बात। अभी कल का छोकरा और इतनी बड़ी-बड़ी बातें।

मनमोहन बाबू ने कहा-योगेश बाबू जाने दीजिए, नरेन्द्र अभी बच्चा है, और बात भी साधारण है। इस पर वाद-विवाद की क्या आवश्यकता है?

योगेश बाबू उसी तरह आवेश में बोले-बच्चा है? नरेन्द्र बच्चा है। जिसके मुंह पर इतनी बड़ी-बड़ी मूंछें हों, वह यदि बच्चा है तो बूढ़ा क्या होगा? मनमोहन बाबू! आप क्या कहते हैं?

एक विद्यार्थी ने कहा-महाशय, अभी जरा देर पहले तो आपने उसे कल का छोकरा बताया था।

योगेश बाबू का मुख क्रोध से लाल हो गया, बोले-कब कहा था?

अभी इससे जरा देर पहले।'

झूठ! बिल्कुल झूठ!! जिसकी इतनी बड़ी-बड़ी मूंछें हैं उसे छोकरा कहूं, असम्भव है। क्या तुम लोग यह कहना चाहते हो कि मैं बिल्कुल मूर्ख हूं।

सब लड़के एक स्वर से बोले-नहीं, महाशय! ऐसी बात हम भूलकर भी जिह्वा पर नहीं ला सकते।

मनमोहन बाबू किसी प्रकार हंसी को रोककर बोले- चुप-चुप! गोलमाल न करो।

योगेश बाबू ने कहा- हां नरेन्द्र! तुम यह कहते हो कि बंग-प्रान्त में तुम्हारी टक्कर का कोई चित्रकार नहीं है।

नरेन्द्र ने कहा-आपने कैसे जाना?

तुम्हारे मित्रों ने कहा।

मैं यह नहीं कहता। तब भी इतना अवश्य कहूंगा कि मेरी तरह हृदय-रक्त पीकर बंगाल में कोई चित्र नहीं बनाता।

इसका प्रमाण?

नरेन्द्र ने आवेशमय स्वर में कहा- प्रमाण की क्या आवश्यकता है? मेरा अपना यही विचार है।

तुम्हारा विचार असत्य है।

नरेन्द्र बहुत कम बोलने वाला व्यक्ति था। उसने कोई उत्तर नहीं दिया।

मनमोहन बाबू ने इस अप्रिय वातालाप को बन्द करने के लिए कहा- नरेन्द्र इस बार प्रदर्शनी के लिए तुम चित्र बनाओगे ना?

नरेन्द्र ने कहा- विचार तो है।

देखूंगा तुम्हारा चित्र कैसा रहता है?

नरेन्द्र ने श्रध्दा-भाव से उनकी पग-धूलि लेकर कहा- जिसके गुरु आप हैं उसे क्या चिन्ता? देखना सर्वोत्तम रहेगा।

योगेश बाबू ने कहा- राम से पहले रामायण! पहले चित्र बनाओ फिर कहना।

नरेन्द्र ने मुंह फेरकर योगेश बाबू की ओर देखा, कहा कुछ भी नहीं, किन्तु मौन भाव और उपेक्षा ने बातों से कहीं अधिक योगेश के हृदय को ठेस पहुंचाई।

मनमोहन बाबू ने कहा- योगेश बाबू, चाहे आप कुछ भी कहें मगर नरेन्द्र को अपनी आत्मिक शक्ति पर बहुत बड़ा विश्वास है। मैं दृढ़ निश्चय से कह सकता हूं कि यह भविष्य में एक बड़ा चित्रकार होगा।'

नरेन्द्र धीरे-धीरे कमरे से बाहर चला गया।

एक विद्यार्थी ने कहा- प्रोफेसर साहब, नरेन्द्र में किसी सीमा तक विक्षिप्तता की झलक दिखाई देती है।'

मनमोहन बाबू ने कहा- हां, मैं भी मानता हूं। जो व्यक्ति अपने घाव अच्छी तरह प्रकट करने में सफल हो जाता है, उसे सर्व-साधारण किसी सीमा तक विक्षिप्त समझते हैं। चित्र में एक विशेष प्रकार का आकर्षण तथा मोहकता उत्पन्न करने की उसमें असाधारण योग्यता है। तुम्हें मालूम है, नरेन्द्र ने एक बार क्या किया था? मैंने देखा कि नरेन्द्र के बायें हाथ की उंगली से खून का फव्वारा छूट रहा है और वह बिना किसी कष्ट के बैठा चित्र बना रहा है। मैं तो देखकर चकित रह गया। मेरे मालूम करने पर उसने उत्तर दिया कि उंगली काटकर देख रहा था कि खून का वास्तविक रंग क्या है? अजीब व्यक्ति है। तुम लोग इसे विक्षिप्तता कह सकते हो, किन्तु इसी विक्षिप्तता के ही कारण तो वह एक दिन अमर कलाकार कहलायेगा।

योगेश बाबू आंख बन्द करके सोचने लगे। जैसे गुरु वैसे चेले दोनों के दोनों पागल हैं।

नरेन्द्र सोचते-सोचते मकान की ओर चला-मार्ग में भीड़-भाड़ थी। कितनी ही गाड़ियां चली जा रही थीं; किन्तु इन बातों की ओर उसका ध्यान नहीं था। उसे क्या चिन्ता थी? सम्भवतः इसका भी उसे पता न था।

वह थोड़े समय के भीतर ही बहुत बड़ा चित्रकार हो गया, इस थोड़े-से समय में वह इतना सुप्रसिद्धि और सर्व-प्रिय हो गया था कि उसके ईर्ष्यालु मित्रों को अच्छा न लगा। इन्हीं ईर्ष्यालु मित्रों में योगेश बाबू भी थे। नरेन्द्र में एक विशेष योग्यता और उसकी तूलिका में एक असाधारण शक्ति है। योगेश बाबू इसे दिल-ही-दिल में खूब समझते थे, परन्तु ऊपर से उसे मानने के लिए तैयार न थे।

इस थोड़े समय में ही उसका इतनी प्रसिद्धि प्राप्त करने का एक विशेष कारण भी था। वह यह कि नरेन्द्र जिस चित्र को भी बनाता था अपनी सारी योग्यता उसमें लगा देता था उसकी दृष्टि केवल चित्र पर रहती थी, पैसे की ओर भूलकर भी उसका ध्यान नहीं जाता था। उसके हृदय की महत्वाकांक्षा थी कि चित्र बहुत ही सुन्दर हो। उसमें अपने ढंग की विशेष विलक्षणता हो। मूल्य चाहे कम मिले या अधिक। वह अपने विचार और भावनाओं की मधुर रूप-रेखाएं अपने चित्र में देखता था। जिस समय चित्र चित्रित करने बैठता तो चारों ओर फैली हुई असीम प्रकृति और उसकी सारी रूप-रेखायें हृदय-पट से गुम्फित कर देता। इतना ही नहीं; वह अपने अस्तित्व से भी विस्मृत हो जाता। वह उस समय पागलों की भांति दिखाई पड़ता और अपने प्राण तक उत्सर्ग कर देने से भी उस समय सम्भवतः उसको संकोच न होता। यह दशा उस समय की एकाग्रता की होती। वास्तव में इसी कारण से उसे यह सम्मान प्राप्त हुआ।

उसके स्वभाव में सादगी थी, वह जो बात सादगी से कहता, लोग उसे अभिमान और प्रदर्शनी से लदी हुई समझते। उसके सामने कोई कुछ न कहता परन्तु पीछे-पीछे लोग उसकी बुराई करने से न चूकते, सब-के-सब नरेन्द्र को संज्ञाहीन-सा पाते, वह किसी बात को कान लगाकर न सुनता, कोई पूछता कुछ और वह उत्तर देता कुछ और ही। वह सर्वदा ऐसा प्रतीत होता जैसे अभी-अभी स्वप्न देख रहा था और किसी ने सहसा उसे जगा दिया हो, उसने विवाह किया और एक लड़का भी उत्पन्न हुआ, पत्नी बहुत सुन्दर थी, परन्तु नरेन्द्र को गार्हस्थिक जीवन में किसी प्रकार का आकर्षण न था, तब भी उसका हृदय प्रेम का अथाह सागर था, वह हर समय इसी धुन में रहता था कि चित्रकला में प्रसिध्दि प्राप्त करे। यही कारण था कि लोग उसे पागल समझते थे। किसी हल्की वस्तु को यदि पानी में जबर्दस्ती डुबो दो तो वह किसी प्रकार भी न डूबेगी, वरन ऊपर तैरती रहेगी। ठीक यही दशा उन लोगों की होती है जो अपनी धुन के पक्के होते हैं। वे सांसारिक दुःख-सुख में किसी प्रकार डूबना नहीं जानते। उनका हृदय हर समय कार्य की पूर्ति में संलग्न रहता है।

नरेन्द्र सोचते-सोचते अपने मकान के सामने आ खड़ा हुआ। उसने देखा कि द्वार के समीप उसका चार साल का बच्चा मुंह में उंगली डाले किसी गहरी चिन्ता में खड़ा है। पिता को देखते ही बच्चा दौड़ता हुआ आया और दोनों हाथों से नरेन्द्र को पकड़कर बोला-बाबूजी!

क्यों बेटा?

बच्चे ने पिता का हाथ पकड़ लिया और खींचते हुए कहा- बाबूजी, देखो हमने एक मेंढक मारा है जो लंगड़ा हो गया है...

नरेन्द्र ने बच्चे को गोद में उठाकर कहा-तो मैं क्या करूं? तू बड़ा पाजी है।

बच्चे ने कहा- वह घर नहीं जा सकता-लंगड़ा हो गया है, कैसे जाएगा? चलो उसे गोद में उठाकर घर पहुंचा दो।

नरेन्द्र ने बच्चे को गोद में उठा लिया और हंसते-हंसते घर में ले गया।

एक दिन नरेन्द्र को ध्यान आया कि इस बार की प्रदर्शनी में जैसे भी हो अपना एक चित्र भेजना चाहिए। कमरे की दीवार पर उसके हाथ के कितने ही चित्र लगे हुए थे। कहीं प्राकृतिक दृश्य, कहीं मनुष्य के शरीर की रूप-रेखा, कहीं स्वर्ण की भांति सरसों के खेत की हरियाली, जंगली मनमोहक दृश्यावलि और कहीं वे रास्ते जो छाया वाले वृक्षों के नीचे से टेढ़े-तिरछे होकर नदी के पास जा मिलते थे। धुएं की भांति गगनचुम्बी पहाड़ों की पंक्ति, जो तेज धूप में स्वयं झुलसी जा रही थीं और सैकड़ों पथिक धूप से व्याकुल होकर छायादार वृक्षों के समूह में शरणार्थी थे, ऐसे कितने ही दृश्य थे। दूसरी ओर अनेकों पक्षियों के चित्र थे। उन सबके मनोभाव उनके मुखों से प्रकट हो रहे थे। कोई गुस्से में भरा हुआ, कोई चिन्ता की अवस्था में तो कोई प्रसन्न-मुख।

कमरे के उत्तरीय भाग में खिड़की के समीप एक अपूर्ण चित्र लगा हुआ था; उसमें ताड़ के वृक्षों के समूह के समीप सर्वदा मौन रहने वाली छाया के आश्रय में एक सुन्दर नवयुवती नदी के नील-वर्ण जल में अचल बिजली-सी मौन खड़ी थी। उसके होंठों और मुख की रेखाओं में चित्रकार ने हृदय की पीड़ा अंकित की थी। ऐसा प्रतीत होता था मानो चित्र बोलना चाहता है, किन्तु यौवन अभी उसके शरीर में पूरी तरह प्रस्फुटित नहीं हुआ है।

इन सब चित्रों में चित्रकार के इतने दिनों की आशा और निराशा मिश्रित थी, परन्तु आज उन चित्रों की रेखाओं और रंगों ने उसे अपनी ओर आकर्षित न किया। उसके हृदय में बार-बार यही विचार आने लगे कि इतने दिनों उसने केवल बच्चों का खेल किया है। केवल कागज के टुकड़ों पर रंग पोता है। इतने दिनों से उसने जो कुछ रेखाएं कागज पर खींची थीं, वे सब उसके हृदय को अपनी ओर आकर्षित न कर सकी, क्योंकि उसके विचार पहले की अपेक्षा बहुत उच्च थे। उच्च ही नहीं बल्कि बहुत उच्चतम होकर चील की भांति आकाश में मंडराना चाहते थे। यदि वर्षा ऋतु का सुहावना दिन हो तो क्या कोई शक्ति उसे रोक सकती थी? वह उस समय आवेश में आकर उड़ने की उत्सुकता में असीमित दिशाओं में उड़ जाता। एक बार भी फिरकर नहीं देखता। अपनी पहली अवस्था पर किसी प्रकार भी वह सन्तुष्ट नहीं था। नरेन्द्र के हृदय में रह-रहकर यही विचार आने लगा। भावना और लालसा की झड़ी-सी लग गई।

उसने निश्चय कर लिया कि इस बार ऐसा चित्र बनाएगा। जिससे उसका नाम अमर हो जाये। वह इस वास्तविकता को सबके दिलों में बिठा देना चाहता था कि उसकी अनुभूति बचपन की अनुभूति नहीं है।

मेज पर सिर रखकर नरेन्द्र विचारों का ताना-बाना बुनने लगा। वह क्या बनायेगा? किस विषय पर बनायेगा? हृदय पर आघात होने से साधारण प्रभाव पड़ता है। भावनाओं के कितने ही पूर्ण और अपूर्ण चित्र उसकी आंखों के सामने से सिनेमा-चित्र की भांति चले गये, परन्तु किसी ने भी दमभर के लिए उसके ध्यान को अपनी ओर आकर्षित न किया। सोचते-सोचते सन्ध्या के अंधियारे में शंख की मधुर ध्वनि ने उसको मस्त कर देने वाला गाना सुनाया। इस स्वर-लहरी से नरेन्द्र चौंककर उठ खड़ा हुआ। पश्चात उसी अंधकार में वह चिन्तन-मुद्रा में कमरे के अन्दर पागलों की भांति टहलने लगा। सब व्यर्थ! महान प्रयत्न करने के पश्चात भी कोई विचार न सूझा।

रात बहुत जा चुकी थी। अमावस्या की अंधेरी में आकाश परलोक की भांति धुंधला प्रतीत होता था। नरेन्द्र कुछ खोया-खोया-सा पागलों की भांति उसी ओर ताकता रहा।

बाहर से रसोइये ने द्वार खटखटाकर कहा- बाबूजी!

चौंककर नरेन्द्र ने पूछा- कौन है?

बाबूजी भोजन तैयार है, चलिये।

झुंझलाते हुए नरेन्द्र ने कटु स्वर में कहा- मुझे तंग न करो। जाओ मैं इस समय न खाऊंगा।

कुछ थोड़ा-सा।

मैं कहता हूं बिल्कुल नहीं। और निराश-मन रसोइया भारी कदमों से वापस लौट गया और नरेन्द्र ने अपने को चिन्तन-सागर में डुबो दिया। दुनिया में जिसको ख्याति प्राप्त करने का व्यसन लग गया हो उसको चैन कहां?

एक सप्ताह बीत गया। इस सप्ताह में नरेन्द्र ने घर से बाहर कदम न निकाला। घर में बैठा सोचता रहता-किसी-न-किसी मन्त्र से तो साधना की देवी अपनी कला दिखाएगी ही।

इससे पूर्व किसी चित्र के लिऐ उसे विचार-प्राप्ति में देर न लगती थी, परन्तु इस बार किसी तरह भी उसे कोई बात न सूझी। ज्यों-ज्यों दिन व्यतीत होते जाते थे वह निराश होता जाता था? केवल यही क्यों? कई बार तो उसने झुंझलाकर सिर के बाल नोंच लिये। वह अपने आपको गालियां देता, पृथ्वी पर पेट के बल पड़कर बच्चों की तरह रोया भी परंतु सब व्यर्थ।

प्रातःकाल नरेन्द्र मौन बैठा था कि मनमोहन बाबू के द्वारपाल ने आकर उसे एक पत्र दिया। उसने उसे खोलकर देखा। प्रोफेसर साहब ने उसमें लिखा था-

प्रिय नरेन्द्र,

प्रदर्शनी होने में अब अधिक दिन शेष नहीं हैं। एक सप्ताह के अन्दर यदि चित्र न आया तो ठीक नहीं। लिखना, तुम्हारी क्या प्रगति हुई है और तुम्हारा चित्र कितना बन गया है?

योगेश बाबू ने चित्र चित्रित कर दिया है। मैंने देखा है, सुन्दर है, परन्तु मुझे तुमसे और भी अच्छे चित्र की आशा है। तुमसे अधिक प्रिय मुझे और कोई नहीं। आशीर्वाद देता हूं, तुम अपने गुरु की लाज रख सको।

इसका ध्यान रखना। इस प्रदर्शनी में यदि तुम्हारा चित्र अच्छा रहा तो तुम्हारी ख्याति में कोई बाधा न रहेगी। तुम्हारा परिश्रम सफल हो, यही कामना है।

मनमोहन पत्र पढ़कर नरेन्द्र और भी व्याकुल हुआ। केवल एक सप्ताह शेष है और अभी तक उसके मस्तिष्क में चित्र के विषय में कोई विचार ही नहीं आया। खेद है अब वह क्या करेगा?

उसे अपने आत्म-बल पर बहुत विश्वास था, पर उस समय वह विश्वास भी जाता रहा। इसी तुच्छ शक्ति पर वह दस व्यक्तियों में सिर उठाए फिरता रहा?

उसने सोचा था अमर कलाकार बन जाऊंगा, परन्तु वाह रे दुर्भाग्य! अपनी अयोग्यता पर नरेन्द्र की आंखों में आंसू भर आये।

रोगी की रात जैसे आंखों में निकल जाती है उसकी वह रात वैसे ही समाप्त हुई। नरेन्द्र को इसका तनिक भी पता न हुआ। उधर वह कई दिनों से चित्रशाला ही में सोया था। नरेन्द्र के मुख पर जागरण के चिन्ह थे। उसकी पत्नी दौड़ी-दौड़ी आई और बोली- अजी बच्चे को क्या हो गया है, आकर देखो तो।

नरेन्द्र ने पूछा- क्या हुआ?

पत्नी लीला हांफते हुए बोली-शायद हैजा! इस समय खड़े न रहो, बच्चा बिल्कुल अचेत पड़ा है।

बहुत ही अनमने मन से नरेन्द्र शयन-कक्ष में प्रविष्ट हुआ।

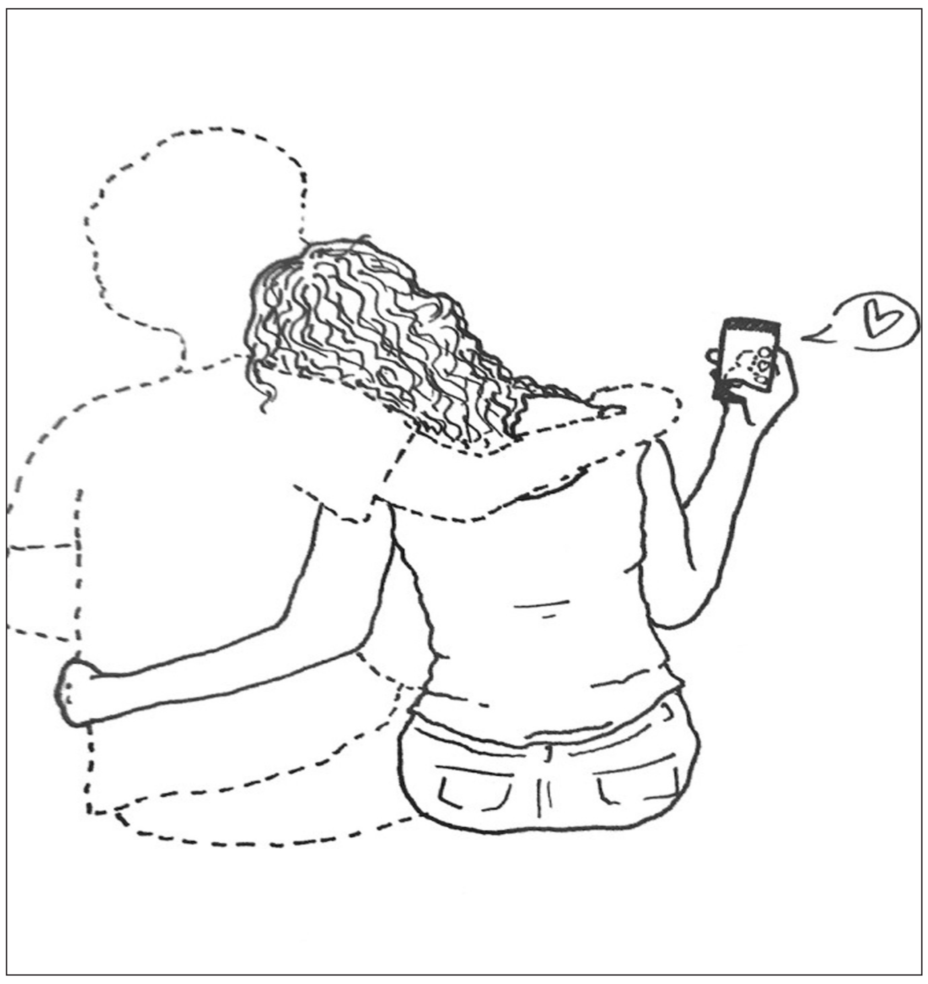

बच्चा बिस्तर से लगा पड़ा था। पलंग के चारों ओर उस भयानक रोग के चिन्ह दृष्टिगोचर हो रहे थे। लाल रंग दो घड़ी में ही पीला हो गया था। सहसा देखने से यही ज्ञात होता था जैसे बच्चा जीवित नहीं है। केवल उसके वक्ष के समीप कोई वस्तु धक-धक कर रही थी, और इस क्रिया से ही जीवन के कुछ चिन्ह दृष्टिगोचर होते थे।

वह बच्चे के सिरहाने सिर झुकाकर खड़ा हो गया।

लीला ने कहा- इस तरह खड़े न रहो। जाओ, डॉक्टर को बुला लाओ।

मां की आवाज सुनकर बच्चे ने आंखें मलीं। भर्राई हुई आवाज में बोला- मां! ओ मां!!

मेरे लाल! मेरी पूंजी। क्या कह रहा है? कहते-कहते लीला ने दोनों हाथों से बच्चे को अपनी गोद से चिपटा लिया। मां के वक्ष पर सिर रखकर बच्चा फिर पड़ा रहा।

नरेन्द्र के नेत्र सजल हो गए। वह बच्चे की ओर देखता रहा।

लीला ने उपालम्भमय स्वर में कहा-अभी तक डॉक्टर को बुलाने नहीं गये?

नरेन्द्र ने दबी आवाज में कहा-ऐं...डॉक्टर?

पति की आवाज का अस्वाभाविक स्वर सुनकर लीला ने चकित होते हुए कहा-क्या?

कुछ नहीं।

जाओ, डॉक्टर को बुला लाओ।

अभी जाता हूं।

नरेन्द्र घर से बाहर निकला।

घर का द्वार बन्द हुआ। लीला ने आश्चर्य-चकित होकर सुना कि उसके पति ने बाहर से द्वार की जंजीर खींच ली और वह सोचती रही- यह क्या?

नरेन्द्र चित्रशाला में प्रविष्ट होकर एक कुर्सी पर बैठ गया।

दोनों हाथों से मुंह ढांपकर वह सोचने लगा। उसकी दशा देखकर ऐसा लगता था कि वह किसी तीव्र आत्मिक पीड़ा से पीड़ित है। चारों ओर गहरे सूनेपन का राज्य था। केवल दीवार लगी हुई घड़ी कभी न थकने वाली गति से टिक-टिक कर रही थी और नरेन्द्र के सीने के अन्दर उसका हृदय मानो उत्तर देता हुआ कह रहा था- धक! धक! सम्भवतः उसके भयानक संकल्पों से परिचित होकर घड़ी और उसका हृदय परस्पर कानाफूसी कर रहे थे। सहसा नरेन्द्र उठ खड़ा हुआ। संज्ञाहीन अवस्था में कहने लगा- क्या करूं? ऐसा आदर्श फिर न मिलेगा, परन्तु ...वह तो मेरा पुत्र है।

वह कहते-कहते रुक गया। मौन होकर सोचने लगा। सहसा मकान के अन्दर से सनसनाते हुए बाण की भांति 'हाय' की हृदयबेधक आवाज उसके कानों में पहुंची।

मेरे लाल! तू कहां गया?

जिस प्रकार चिल्ला टूट जाने से कमान सीधी हो जाती है, चिन्ता और व्याकुलता से नरेन्द्र ठीक उसी तरह सीधा खड़ा हो गया। उसके मुख पर लाली का चिन्ह तक न था, फिर कान लगाकर उसने आवाज सुनी, वह समझ गया कि बच्चा चल बसा।

मन-ही-मन में बोला- भगवान! तुम साक्षी हो, मेरा कोई अपराध नहीं।

इसके बाद वह अपने सिर के बालों को मुट्ठी में लेकर सोचने लगा। जैसे कुछ समय पश्चात ही मनुष्य निद्रा से चौंक उठता है उसी प्रकार चौंककर जल्दी-जल्दी मेज पर से कागज, तूलिका और रंग आदि लेकर वह कमरे से बाहर निकल गया।

शयन-कक्ष के सामने एक खिड़की के समीप आकर वह अचकचा कर खड़ा हो गया। कुछ सुनाई देता है क्या? नहीं सब खामोश है। उस खिड़की से कमरे का आन्तरिक भाग दिखाई पड़ रहा था। झांककर भय से थर-थर कांपते हुए उसने देखा तो उसके सारे शरीर में कांटे-से चुभ गये। बिस्तर उलट-पुलट हो रहा था। पुत्र से रिक्त गोद किए मां वहीं पड़ी तड़प रही थी।

और इसके अतिरिक्त...मां कमरे में पृथ्वी पर लोटते हुए, बच्चे के मृत शरीर को दोनों हाथों से वक्षःस्थल के साथ चिपटाए, बाल बिखरे, नेत्र विस्फारित किए, बच्चे के निर्जीव होंठों को बार-बार चूम रही थी।

नरेन्द्र की दोनों आंखों में किसी ने दो सलाखें चुभो दी हों। उसने होंठ चबाकर कठिनता से स्वयं को संभाला और इसके साथ ही कागज पर पहली रेखा खींची। उसके सामने कमरे के अन्दर वही भयानक दृश्य उपस्थित था। संभवतः संसार के किसी अन्य चित्रकार ने ऐसा दृश्य सम्मुख रखकर तूलिका न उठाई होगी।

देखने में नरेन्द्र के शरीर में कोई गति न थी, परन्तु उसके हृदय में कितनी वेदना थी? उसे कौन समझ सकता है, वह तो पिता था।

नरेन्द्र जल्दी-जल्दी चित्र बनाने लगा। जीवन-भर चित्र बनाने में इतनी जल्दी उसने कभी न की। उसकी उंगलियां किसी अज्ञात शक्ति से अपूर्व शक्ति प्राप्त कर चुकी थीं। रूप-रेखा बनाते हुए उसने सुना-बेटा, ओ बेटा! बातें करो, बात करो, जरा एक बार तुम देख तो लो?

नरेन्द्र ने अस्फुट स्वर में कहा-उफ! यह असहनीय है। और उसके हाथ से तूलिका छूटकर पृथ्वी पर गिर पड़ी।

किन्तु उसी समय तूलिका उठाकर वह पुनः चित्र बनाने लगा। रह-रहकर लीला का क्रन्दन-रुदन कानों में पहुंचकर हृदय को छेड़ता और रक्त की गति को मन्द करता और उसके हाथ स्थिर होकर उसकी तूलिका की गति को रोक देते।

इसी प्रकार पल-पर-पल बीतने लगे।

मुख्य द्वार से अन्दर आने के लिए नौकरों ने शोर मचाना शुरू कर दिया था, परन्तु नरेन्द्र मानो इस समय विश्व और विश्वव्यापी कोलाहल से बहरा हो चुका था।

वह कुछ भी न सुन सका। इस समय वह एक बार कमरे की ओर देखता और एक बार चित्र की ओर, बस रंग में तूलिका डुबोता और फिर कागज पर चला देता।

वह पिता था, परन्तु कमरे के अन्दर पत्नी के हृदय से लिपटे हुए मृत बच्चे की याद भी वह धीरे-धीरे भूलता जा रहा था।

सहसा लीला ने उसे देख लिया। दौड़ती हुई खिड़की के समीप आकर दुखित स्वर में बोली-क्या डॉक्टर को बुलाया? जरा एक बार आकर देख तो लेते कि मेरा लाल जीवित है या नहीं...यह क्या? चित्र बना रहे हो?

चौंककर नरेन्द्र ने लीला की ओर देखा। वह लड़खड़ाकर गिर रही थी।

बाहर से द्वार खटखटाने और बार-बार चिल्लाने पर भी जब कपाट न खुले, तो रसोइया और नौकर दोनों डर गये। वे अपना काम समाप्त करके प्रायः संध्या समय घर चले जाते थे और प्रातःकाल काम करने आ जाते थे। प्रतिदिन लीला या नरेन्द्र दोनों में से कोई-न-कोई द्वार खोल देता था, आज चिल्लाने और खटखटाने पर भी द्वार न खुला। इधर रह-रहकर लीला की क्रन्दन-ध्वनि भी कानों में आ रही थी।

उन लोगों ने मुहल्ले के कुछ व्यक्तियों को बुलाया। अन्त में सबने सलाह करके द्वार तोड़ डाला।

सब आश्चर्य-चकित होकर मकान में घुसे। जीने से चढ़कर देखा कि दीवार का सहारा लिये, दोनों हाथ जंघाओं पर रखे नरेन्द्र सिर नीचा किए हुए बैठा है।

उनके पैरों की आहट से नरेन्द्र ने चौंककर मुंह उठाया। उसके नेत्र रक्त की भांति लाल थे। थोड़ी देर पश्चात वह ठहाका मारकर हंसने लगा और सामने लगे चित्र की ओर उंगली दिखाकर बोल उठा-डॉक्टर! डॉक्टर!! मैं अमर हो गया।

दिन बीतते गये, प्रदर्शनी आरम्भ हो गई।

प्रदर्शनी में देखने की कितनी ही वस्तुएं थीं, परन्तु दर्शक एक ही चित्र पर झुके पड़ते थे। चित्र छोटा-सा था और अधूरा भी, नाम था 'अन्तिम प्यार।'चित्र में चित्रित किया हुआ था, एक मां बच्चे का मृत शरीर हृदय से लगाये अपने दिल के टुकड़े के चन्दा से मुख को बार-बार चूम रही है।

इस दर्शक-समूह में कितने ही चित्रकार थे। उनमें से एक ने कहा- देखिए योगेश बाबू, आप क्या कहते हैं? योगेश बाबू उस समय मौन धारण किए चित्र की ओर देख रहे थे, सहसा प्रश्न सुनकर एक आंख बन्द करके बोले- यदि मुझे पहले से ज्ञात होता तो मैं नरेन्द्र को अपना गुरु बनाता। दर्शकों ने धन्यवाद, साधुवाद और वाह-वाह की झड़ी लगा दी; परन्तु किसी को भी मालूम न हुआ कि उस सज्जन पुरुष का मूल्य क्या है, जिसने इस चित्र को चित्रित किया है। किस प्रकार चित्रकार ने स्वयं को धूलि में मिलाकर रक्त से इस चित्र को रंगा है, उसकी यह

> "शोक और चिन्ता में डूबी हुई मां के मुख, नेत्र और शरीर में चित्रकार की तूलिका ने एक ऐसा सूक्ष्म और दर्दनाक चित्र चित्रित किया कि जो देखता उसी की आंखों से आंसू निकल पड़ते। चित्र की रेखाओं में इतनी अधिक सूक्ष्मता से दर्द भरा जा सकता है, यह बात इससे पहले किसी के ध्यान में न आई थी।"

उल्लू
शहर में
या गांव में
कहीं नहीं दिखे
उल्लू
बिन लक्ष्मी के
फीकी रही दीपावली
इस बार की भी।

सोचा था
दिख जायेंगे
तो अनुरोध करूँगा
ऐ भाई !
उतार दे न इस बार
लक्ष्मी को
मेरे द्वार !

शहरों में
बाजार दिखा
पैसा दिखा
कारें दिखीं
महंगे सामानो को खरीदते / घर ले
जाते लोग दिखे
रिक्शेवान दिखे
और दिखे
अपना दिन बेचने को तैयार
चौराहे पर खड़े
असंख्य मजदूर।

गांवों में
जमीन दिखी
जमींदार दिखे
भूख दिखी
और दिखे
मेहनती किसान
सर पर लादे
भारी बोझ
भागते बदहवास
बाजार की ओर ।

न जाने क्यों
दूर-दूर तक
कहीं नहीं दिखे
लेकिन हर बार
ऐसा लगा
कि मेरे आस पास ही हैं
कई उल्लू !

जब से सुना है कि
लोभी मनुष्य
तांत्रिकों के कहने पर
लक्ष्मी के लिए
काट लेते हैं
उल्लुओं की गरदन
मेरी नींद
उड़ी हुई है।

देवेन्द्र पाण्डेय, वाराणसी

बगावत के फूल खिलाने लगे हैं।
मेरे जी को ऐसे जलाने लगे हैं।।

खिलाफत में मेरे ही अपने खड़े हैं।
इन आँखों से आँखें मिलाने लगे हैं।।

जिन्हें सींचकर खूँ से पाला था हमने।
जुबाँ हमसे अब वो लड़ाने लगे हैं।।

नही है जरूरत उन्हें अब तो मेरी।
रियासत में हिस्सा बटाने लगे हैं।।

जवाँ खून भी है जवानी की रौ में।
वो तहजीब हमको सिखाने लगे हैं।।

चले थे पकड़कर जो उँगली किसी दिन।
लगाकर अड़ी अब गिराने लगे हैं।।

जिन्हें फक्र से हमने पाला कभी था।
वो सर को मेरे ही झुकाने लगे हैं।।

जिये जा रहे थे जिन्हें देखकर हम।
उमर ढल गई ये बताने लगे हैं।।

था जिनके लिए सबको छोड़ा कभी।
छुड़ाकर वो अब हाथ जाने लगे हैं।।

नही थे कभी हम तो तन्हा मधु।
अकेले ही जीवन बिताने लगे हैं।।

माधुरी मिश्रा
वाराणसी

कौवा पुराण

कपड़े कौवा ब्राण्ड के तीन गुना हैं दाम
जब भी एक खरीदिये मिलते तीन इनाम
मिलते तीन इनाम दाम इतना लिखते हैं
सारे कपड़े छूट काट कर ही बिकते हैं
कपड़े बिकते हुए जा रहे कौए तगड़े
खुश हैं लोग पहन करके इनामी कपड़े

सूर्य प्रकाश मिश्र
वाराणसी।

फाइलेरिया रोगियों की देखभाल व प्रबंधन के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत बृहस्पतिवार को बड़ागांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिलबिला गाँव के पंचायत भवन में रुग्णता प्रबंधन व दिव्यांगता रोकथाम (एमएमडीपी) कैंप व जांच अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था ने भी सहयोग किया। इस दौरान बीएचयू के चिकित्सक व उनकी टीम ने पूर्व में चिन्हित लिम्फोडेमा (हाथ, पैर व स्तन में सूजन) रोगियों के अध्ययन के लिए मरीजों व उनके परिजनों की भी जांच की। कार्यक्रम में लिम्फ़ेटिक फाइलेरियासिस (फाइलेरिया) से ग्रसित मरीजों की ग्रेडिंग करते हुये प्रभावित अंगों की देखभाल के लिए एमएमडीपी किट प्रदान की। एलबीएस चिकित्सालय रामनगर स्थित फाइलेरिया नियंत्रण इकाई के प्रभारी डॉ अमित कुमार सिंह ने रोगियों को एमएमडीपी किट के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण दिया। यह बीमारी न सिर्फ व्यक्ति को दिव्यांग बना देती है बल्कि इस वजह से मरीज की मानसिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इस बीमारी के लक्षण शुरुआत में नहीं दिखते हैं, इसके लक्षण पाँच से दस साल में देखने को मिलते हैं। इससे बचाव के लिए सोते समय

30 रोगियों को प्रदान की एमएमडीपी किट नियमित इस्तेमाल के लिए दिया प्रशिक्षण

मच्छरदानी का प्रयोग करें। घर व आस-पास साफ-सफाई, जल जमाव को नष्ट कर वाहक मच्छरों से बचा जा सकता है।डॉ अमित ने बताया कि फाइलेरिया ग्रसित अंगों में मुख्यत: पैर की साफ-सफाई रखने से संक्रमण का डर नहीं रहता है और नियमित व्यायाम व योगा करने से सूजन में भी कमी रहती है। इसके प्रति लापरवाही बरतने पर अंग खराब होने लगते हैं और समस्या बढ़ जाती है। इसको बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक दवा भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिनके हाथ-पैर में सूजन आ गई है या फिर उनके फाइलेरिया ग्रस्त अंगों से पानी का रिसाव होता है। इस स्थिति में उनके प्रभावित अंगों की साफ-सफाई बेहद आवश्यक है। इसलिए एमएमडीपी किट प्रदान की जा रही है। इस किट में एक-एक टब, मग, बाल्टी तौलिया, साबुन, एंटी फंगल क्रीम आदि शामिल हैं। फाइलेरिया रोगी सहायता समूह (पीएसजी) नेटवर्क के सदस्य समुदाय को फाइलेरिया के प्रति जागरूक कर रहे हैं। साथ ही बीमारी से जुड़े मिथक को भी दूर कर रहे हैं।बीएचयू के बायो केमिस्ट्री विभाग की टीम शिवानी, तृप्ति व सुनील ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व में चिन्हित फाइलेरिया ग्रसित रोगियों व उनके घर के सदस्यों का ब्लड सैंपल लिया। नजदीकी क्षेत्र में सर्वे भी कराया गया। यह अध्ययन लिम्फ़ेटिक फाइलेरियासिस को गहनता से समझने में मदद करेगा, जिससे इस बीमारी के उपचार को खोजा जा सके। इस मौके पर ग्राम प्रधान सभाजीत सरोज, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज चौकाघाट स्थित आईएडी फाइलेरिया सेंटर से विक्रमादित्य, एसएलटी परशुराम गिरी, कीट संग्रहकर्ता केपी सिंह, सीफार के प्रतिनिधि व अन्य लोग मौजूद रहे। पीएसजी के रोगियों ने सराहा -माँ सरस्वती सहायता समूह की सदस्य कलावती देवी (65) ने बताया कि उन्हें करीब 30 साल से हाथीपाँव बीमारी है। पहले बहुत झाड़ फूंक करवाया, कुछ घरेलू दवाओं का भी सेवन किया पर कोई फायदा नहीं हुआ। पहले इस उपचार के बारे पता नहीं था लेकिन गाँव के समूह से जुड़ने के बाद डॉक्टर से इसकी देखभाल के लिये सम्पूर्ण जानकारी मिली और एमएमडीपी किट भी दी गई। अब वह अपने सूजे हुये पैरों की नियमित देखभाल व व्यायाम कर रही हैं। इससे काफी आराम मिल रहा है। एक अन्य सदस्य प्रभावती (45) ने बताया कि वह करीब 25 साल से इस बीमारी से ग्रसित हैं। उन्हें पहले बच्चे के समय पैर में सूजन थी यही भ्रांति मुझे शुरू से थी लेकिन समूह से जुड़ने के बाद पता चला कि फाइलेरिया मच्छर काटने से ही होता है।

भूस्वामियों ने मानचित्र समाधान दिवस में किया प्रतिभाग

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। प्राधिकरण सभागार में मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें लम्बित मानचित्रों के सापेक्ष आ रही कमियों/आपत्ति को दूर किये जाने के सम्बन्ध में मानचित्र आवेदकों के भू-स्वामियों तथा वास्तुविदों के साथ विचार-विमर्श के उपरान्त निराकरण किया गया। प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक गुरूवार को मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसमें भू-स्वामियों द्वारा प्रतिभाग कर लम्बित मानचित्रों में आ रही कमियों/आपत्तियों को दूर कराये जाने हेतु विचार-विमर्श कर निस्तारण की कार्यवाही की जाती है। आज के समाधान दिवस हेतु वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा मानचित्र आवेदकों विशेष कर 110 लोगों को दूरभाष पर सम्पर्क स्थापित करते हुए समाधान दिवस में प्रतिभाग करने हेतु सूचित किया गया, परन्तु पूर्व सूचना के पश्चात् भी 110 लोगों के स्थान पर मात्र 25 लोगों द्वारा

ही मानचित्र समाधान दिवस में प्रतिभाग किया गया। भू-स्वामी अपने मानचित्र से सम्बन्धित जानकारी https://upob-pas.in/ पर देखी नहीं जाती है तथा वह आर्किटेक्ट पर छोड़ देते हैं। पोर्टल पर छोटी-छोटी अनेक कमियाँ होती हैं, कमियों का समाधान भू-स्वामी द्वारा नहीं देखा जाता है जिस कारण मानचित्र का निस्तारण नहीं हो पाता।उपाध्यक्ष महोदय द्वारा वास्तुविदों एवं मानचित्र आवेदकों से अपील की जाती है कि प्रत्येक गुरूवार को आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रतिभाग करें ताकि मानचित्र आवेदकों का निस्तारण यथाशीघ्र कराया जा सके। आज दिनांक 19-10-23 को आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में 15 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। https://upob-pas.in/ साफ्टवेयर के माध्यम से प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत मानचित्र के सम्बन्ध में जानकारी उक्त साफ्टवेयर के माध्यम से स्वचलित प्रस्तावक द्वारा दिये गये ई-मेल एवं मोबाइल नम्बर पर भेजी जाती है, जिससे प्रस्तावक पत्रावली की जानकारी स्वयं कर सकता है। उ0प्र0 शासन के पोर्टल https://upob-pas.in/ पर अपने से पत्रावली के सम्बन्ध में समस्त जानकारी स्वयं प्राप्त कर सकते है।मानचित्र समाधान दिवस के अवसर पर वी0डी0ए0 उपाध्यक्ष, श्री अभिषेक गोयल, नगर नियोजक, श्री मनोज कुमार, शहर के सम्मानित बिल्डर्स एवं उनके प्रतिनिधि तथा अन्य भू-स्वामियों तथा वास्तुविदों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

देव पोखरी कब्जा मुक्त किया

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। नगर निगम वाराणसी द्वारा पिछले कुछ माह से नगर निगम की संपत्तियों पर विगत कई वर्षों से किए गए कब्जे को खाली करने का अभियान जारी किया है। इसी क्रम में पिछले दिनों से बजरडीहा स्थित देव पोखरी जो कल 5 एकड़ में स्थित थी पर क्षेत्रीय लोगों के द्वारा कब्जा कर लिया गया था। देवपोखरी को खाली कराए जाने हेतु नगर निगम प्रशासन काफी दिनों से प्रयासरत था। महापौर अशोक तिवारी के द्वारा नगर निगम की भूमि पर अवैध रूप से काबीजदारों को मुक्त कराए जाने हेतु लगातार निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की जा रही हैं तथा उनके द्वारा यह निर्देशित किया जाता रहा है कि प्रत्येक दशा में शहर के अंदर जहां कहीं नगर निगम की भूमि पर किसी व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया है, उसकी जांच कर कर उसे खाली कराया जाए। इसी क्रम में देवपोखरी का प्रकरण माननीय महापौर जी के संज्ञान पर आने पर देवपोखरी को उन्होंने से कब्जा मुक्त कराए जाने हेतु निर्देश दिया गया। दिए गए निर्देश के क्रम में पिछले दो दिनों से नगर निगम प्रशासन 5 एकड़ में स्थित देव पोखरी को खाली कराए जाने की कार्रवाई की जा रही थी, जिसमें पहले दिन एक एकड़ भूमि खाली कराई गई थी, पुन: अपर नगर आयुक्त श्री सुमित कुमार के नेतृत्व में प्रभारी अधिकारी राजस्व श्री अमित शुक्ला एवं अतिक्रमण विभाग तथा प्रवर्तन दल तथा क्षेत्रीय पुलिस बल के अधिकारियों के साथ देव पोखरी पर पहुंचकर कब्जा लेने की कार्रवाई प्रारंभ की गई जिसे शाम तक सभी 5 एकड़ भूमि को नगर निगम द्वारा अपने कब्जे में ले लिया गया। नगर निगम वाराणसी की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार द्वारा बताया गया कि नगर निगम की संपत्तियों पर किए गए कब्जों की सूची संकलित कर ली गई है, शीघ्र ही सभी संपत्तियों को मुक्त कराए जाने की कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता कार्यक्रम

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

भदोही। यातायात जागरूकता हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्र-छात्राओं व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यातायात जागरूकता हेतु आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में रविवार को यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों, सड़क मार्ग पर गलत दिशा में खड़े वाहनों, स्पीड पार्किंग के विरुद्ध संपूर्ण जनपद में विशेष अभियान चलाकर वाहन चालकों को यातायात नियमों के सम्बंध में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमों के शत-प्रतिशत पालन हेतु जागरूक किया गया तथा वाहनों पर रेट्रोरिफ्लेक्टर लगाया गया। इस दौरान यातायात नियमों की जानकारी विषयक जारी हैंडव्हील

पम्पलेट को वितरित किया गया। जनपद के सार्वजनिक स्थानों पर यातायात जागरूकता सम्बंधित बोर्ड लगाकर आमजन व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों के पालन करने हेतु जैसे- नशे की हालत में वाहन न चलाने, निर्धारित मानक से अधिक सवारी न बैठाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, अवयस्क को वाहन न चलाने देने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दो पहिया वाहनो पर हेलमेट का प्रयोग करने, वाहनों को ओवर लोड न चलाने आदि के संबन्ध में जागरूक किया गया। सभी को अवगत कराया गया कि सीटबेल्ट का प्रयोग व दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। हेलमेट एक जीवन रक्षक उपकरण है हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग से दुर्घटना के समय आपके जीवन सुरक्षित रखने की 70 फीसदी संभावनाएं विद्यमान रहती हैं। अपने अमूल्य जीवन को दुर्घटना में नष्ट होने से बचाएं। यातायात जागरूकता के साथ ही यातायात नियमों का पालन न करने पर प्रवर्तन की कार्यवाही के दौरान वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल-382 वाहनों का चालान किया गया।

उपचार के दौरान महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। बड़ागाँव थाना क्षेत्र के हरहुआ चौकी अंतर्गत व्यासबाग स्थित प्राइमेक्स हॉस्पिटल में महिला के उपचार के दौरान मौत पर परिजनों ने हंगामा किया। जिससे अस्पताल के कुछ शीशे टूट गए और सामान बिखर गया। घटना की सूचना पर फौरन बड़ागाँव एस ओ राजकुमार पांडेय चौकी प्रभारी हरहुआ विवेक कुमार त्रिपाठी समेत भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल पहुंची और भीड़ को हटाते हुए परिजन व चिकित्सक के बीच बैठकर वार्ता कर दोनों पक्षों के रजामंदी के बाद मामले को शांत कराया। आपसी रजामंदी व कोई पुलिस कार्यवाही किये जाने सहित समझौता कराया। घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के आधार पर पूनम यादव पत्नी महेश यादव उम्र 32 वर्ष निवासी जनसा गुरुवार को शाम 8बजे प्राइमेक्स हॉस्पिटल में सीरियस अवस्था मे भर्ती कराई गई थी। डॉ0 प्रभात के देखरेख में उनका इलाज चल रहा था। आज शुक्रवार को दिन में 12 बजे महिला की मौत हो गई। प्रबंधक डॉ0 जनार्दन सिंह के अनुसार परिजन 10 दिनों से कहीं बाहर उपचार करा रहे थे। महिला डेंगू ,टायफाइड व मलेरिया से पीड़ित थी। चिकित्सक टीम ने इलाज जारी रखी थी।लेकिन सीरियस अवस्था मे मौत हो गई। इलाज में कोई लापरवाही नहीं बरती गई थी। एस ओ बड़ागाँव व चौकी प्रभारी हरहुआ ने मृतका के भाई मनीष यादव,ससुर कल्लू यादव व पूर्व प्रधान जनसा रामधनी मौर्य समेत चिकित्सक के बीच वार्तालाप कराया और दोनों पक्षों ने किसी भी पुलिसिया कार्यवाही न करने के बाद समझौता कर वापस घर चले गए।

अष्टम आयुर्वेद दिवस के अवसर पर हर्बल गार्डन की स्थापना छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शासन से प्राप्त निर्देशानुसार शुक्रवार को नगर पालिका इंटर कॉलेज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर/मुगलसराय, चंदौली में आयोजित किया गया। अष्टम आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जनपद चंदौली में संचालित विभिन्न इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, कला प्रतियोगिता, आयुर्वेदिक स्लोगन, पोस्ट आर्ट फिल्म, प्रश्नोत्तरी, निबंध, वाद विवाद प्रतियोगिता, बच्चों में आयुर्वेदिक थीम पर खेल आदि का आयोजन कर विद्यालय परिसर में हर्बल गार्डन की स्थापना हेतु आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा प्रोत्साहन व औषधिय गुण के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी छात्र,छात्राओं को विजेता घोषित कर पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।आयोजित प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सदस्य के रूप में नामित जनपद चंदौली में कार्यरत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 बालमुकुंद प्रसाद, नोडल अधिकारी डॉ0 श्याम सुन्दर नीरज, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री महेंद्र कुमार पांडे द्वारा प्रतिभागी का मूल्यांकन कर विजेताओं का नाम घोषित किया गया । प्रथम पुरस्कार कुमारी मेधा भादुरी, लाल बहादुर शास्त्री बालिका इंटर कॉलेज मुगलसराय से, द्वितीय पुरस्कार नगर पालिका इंटर कॉलेज मुगलसराय से कु0 वनिता पटेल, तीसरा पुरस्कार कल्पना चंद्र, व सांत्वना पुरस्कार प्रथम रिमझिम, व द्वितीय पुरस्कार साक्षी, नगर पालिका इंटर कॉलेज मुगलसराय से विजेता घोषित किए गए।कार्यक्रम में अतिथि के रूप में संतोष कुमार खरवार पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुगलसराय, योगेश कुमार श्रीवास्तव असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस,और निर्णायक मंडल में डॉ0 महेंद्र कुमार पांडे, प्रधानाचार्य, नगर पालिका इंटर कॉलेज मुगलसराय, डॉ0 बालमुकुंद प्रसाद (प्रभारी चिकित्सा अधिकारी) नोडल डॉ0 श्याम सुंदर नीरज के गरिमामयी उपस्थित में कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयुर्वेद दिवस में स्वास्थ शिविर में डॉ0 प्रमोद कुमार, व डॉ श्रीमती दीक्षा केशरवानी द्वारा उचित परामर्श व नि:शुल्क आयु0 औषधि का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संपन्न बनाने में विद्यालय के अध्यापक गण, आयुष विभाग से फार्मासिस्ट, महिला व पुरुष योग प्रशिक्षक, अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व छात्र-छात्राओं का सराहनी सहयोग रहा। अंत में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी व नि0 प्रदेश महासचिव, चिकित्साधिकारी संवर्ग, डॉ0 बालमुकुंद प्रसाद ने आए हुए सभी अतिथिगण, विजेता छात्र-छात्राओं, महिला, पुरुष योग प्रशिक्षक, आयुष विभाग के समस्त कर्मचारियों का आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हुए, आयुर्वेद दिवस के अवसर पर सभी के उत्तम स्वास्थ, लंबी उम्र, व सुख समृद्धि की मंगल कामना के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय हेतु मिला सम्मान

वाराणसी। बेसिक शिक्षा परिषद वाराणसी द्वारा NAT Exam में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु विकास भवन में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका सरिता राय प्रधानाध्यापिका प्राइमरी स्कूल मण्डुवाडीह को जिलाधिकारी एस राज लिंगम द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त मौके पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविन्द कुमार पाठक, खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय यादव व शिक्षक गण उपस्थित रहे।

अभिनव पहल के तहत स्कूली बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, दन्त परीक्षण व नेत्र जाँच

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल के निर्देशन में शुक्रवार को अभिनव पहल कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, दन्त परीक्षण व नेत्र जाँच की गई। यह स्वास्थ्य कैम्प शहरी कम्पोजिट व प्राथमिक विद्यालय कबीर चौरा, पियरी, शिवपुर, पीसनहरिया, अर्दली बाजार, महमूरगंज, सुन्दरपुर, धुपचंडी में आयोजित हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने बताया कि अभियान पहल के तहत चयनित 10 स्कूलों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत गठित आरबीएसके टीम के द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इस दौरान 10 स्कूलों के लगभग 1600 बच्चों का स्वास्थ्य, दन्त व नेत्र परीक्षण कर आवश्यक दवा वितरित की गई। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व नोडल अधिकारी डॉ संजय राय ने बताया कि 10 स्कूलों के समस्त उपस्थित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें गला संक्रमण, नेत्र संक्रमण, कान बहने, दाँत की बीमारी, स्किन इन्फेक्शन, एनीमिया, सर्दी, जुकाम, बुखार व अन्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों को दवाइयाँ दी गईं। कुल 54 बच्चों के नेत्र परीक्षण में दृष्टि दोष मिलने पर उनके चश्मे का पावर व नम्बर लेकर चश्मा बनवाने हेतु दे दिया गया है, जिसका वितरण आगामी कैम्प में किया जायेगा। सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण पुन:15 दिनों के अंतराल पर चिकित्सकीय टीम द्वारा किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कई मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

मऊ । जिलाधिकारी अरुण कुमार ने विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान लगाए गए प्रथम विशेष कैंप के दौरान तहसील मधुबन एवं घोसी स्थित मतदान केंद्रों के कई बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान कंपोजिट विद्यालय मधुबन के दो मतदान केंद्रों के आठ बूथ, कंपोजिट विद्यालय सिपाह इब्राहिमाबाद शिक्षा क्षेत्र घोसी के दो मतदान केंद्रों के पांच बूथ एवं प्राथमिक विद्यालय चक कुचाई शिक्षा क्षेत्र घोसी स्थित एक बूथ का निरीक्षण जिला अधिकारी द्वारा किया गया। बूथों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वहां पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों से निर्वाचन नामावलियों में वोटरों की संख्या, जेंडर एवं ई.पी.रेशियो के अलावा फार्म 6,7 एवं 8 की अद्यतन स्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुए बूथ लेवल अधिकारियों को 18 से 19 वर्ष के समस्त युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, जेंडर रेशियो कम होने पर समस्त छूटी

नए मतदाताओं का नाम जोड़ने सहित जेंडर एवं ई.पी.रेशियो में सुधार हेतु विशेष प्रयास करने के दिए निर्देश

महिलाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने सहित ई. पी.रेशियो में सुधार हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बूथों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों को जेंडर रेशियो बढ़ाने हेतु मतदाता सूची में नाम दर्ज न होने वाली समस्त महिलाओं को प्रेरित कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।इस दौरान समस्त बूथों पर फॉर्म 6,7 एवं 8 की संख्या कम होने पर उन्होंने इसे बढ़ाने हेतु भी विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इस दौरान मतदाता सूची में 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाताओं के बारे में भी उन्होंने जानकारी ली। कंपोजिट विद्यालय सिपाह इब्राहिमाबाद के एक बूथ पर 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 53 मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में होने पर उन्होंने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को ऐसे समस्त मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन कर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय चक कुचाई स्थित बूथ के बूथ लेवल अधिकारी द्वारा निर्वाचक नामावली विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर उन्होंने बूथ लेवल अधिकारी वृद्धि चंद्र यादव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने के निर्देश उप जिलाधिकारी मधुबन को दिए। बूथों के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे, तहसीलदार मधुबन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पर्यटन को बढ़ावा देने को शोध कार्य करेगा डीएवी और अहमदाबाद का संस्थान

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी, । उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीएवी पीजी कॉलेज एवं इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद, गुजरात मिलकर वाराणसी में अध्ययन करेंगे। यूपी टूरिज्म विभाग के लिए डीएवी के अर्थशास्त्र विभाग एवं अहमदाबाद के संस्थान द्वारा आगामी 20 से 30 नवम्बर तक वाराणसी में पर्यटन में विकास की दृष्टि से देश के विभिन्न भागों से आये पर्यटकों की राय ली जाएगी। मंगलवार को डीएवी के इकॉन लैब में इस बाबत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य शोधकर्ता इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रो. शैलेश मोदी ने बताया कि दस दिनों में 5000 पर्यटकों से उनके सुविधा - असुविधा, आय - व्यय की जानकारी के साथ बेहतर विकल्प के बाबत उनके सुझाव भी लिए जाएंगे। पर्यटकों के वाराणसी में उनके अनुभव, उनके खान पान की व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली जाएगी। सह शोधकर्ता डीएवी अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि इस अध्ययन में अर्न व्हाइल लर्न के तहत विभाग के 30 विद्यार्थी शामिल होंगे। यूपी टूरिज्म के लिए किया जाने वाला यह अध्ययन पर्यटकों की सुविधाओं के लिए बेहद अहम है। इस अध्ययन में अहमदाबाद के रिसर्च फेलो आशुतोष मिश्रा के साथ विभाग के समस्त अध्यापक भी बतौर शोधकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. पारुल जैन, डॉ. उदयभान सिंह, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. आहुति सिंह, डॉ. शालिनी आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ ने फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु प्रचार-प्रसार वाहन को दिखायी हरी झंडी

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने मंगलवार को फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर विकास भवन से रवाना किया। जनपद के किसान भाईयों को पराली/फसल अवशेषों को न जलाने तथा फसल अवशेष को जलाने से मृदा, पर्यावरण एवं मानव जीवन पर होने वाले हानि से जागरूक करने के उद्देश्य से प्रचार-प्रसार वाहन का संचालन जनपद के प्रत्येक विकासखण्डों के अन्तर्गत ग्राम सभाओं में किया जाएगा।

प्रत्येक विकासखण्डों में प्रचार वाहन के सुगम संचालन हेतु कृषि विभाग के विकासखण्डवार क्षेत्रीय कर्मचारी को नामित किया गया है जिनके द्वारा कृषि विभाग की संचालित योजना प्रमोशन ऑफ़ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इनसीटू मैनेजमेंट ऑफ़ क्रॉप रेजीड्यू के अन्तर्गत पराली/फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु प्रयोग

किए जाने वाले कृषि यंत्रों पर देय अनुदान एवं फसल अवशेषो को सड़ा कर खाद बनाने हेतु नि:शुल्क वितरित किए जा रहे पूसा बायो डिकम्पोजर को प्रयोग करने से कृषकों को अवगत कराया जायेंगा। धान फसलों की कटाई कम्बाइन हार्वेस्टर से करने के दौरान सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (सुपर-एस0एम0 एस) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किये जाने एवं फसल कटाई के पश्चात सुपर सीडर अथवा अन्य कृषि यंत्रो से रबी की बुवाई करने की अपिल की जायेगी। विकासखण्डवार प्रचार वाहन का संचालन विकासखण्ड चिरईगॉव मे 07-11-2023 को नामित कर्मचारी मनोज प्रजापति, प्रा0स0-सी,चोलापुर मे 08-11-2023 को नामित कर्मचारी पंकज भाष्कर, ए0टी0एम0, पिण्डरा में 09-11-2023 को नामित कर्मचारी अश्वनी कुमार सिंह, प्रा0स0-सी, हरहुआ में 10-11-2023 को नामित कर्मचारी कृष्ण कुमार मौर्य, प्रा0स0-सी, काशीविद्यापीठ मे 14-11-2023 को नामित कर्मचारी विवेक कुमार, प्रा0स0-सी, बड़ागॉव में 15-11-2023 को नामित कर्मचारी विरेन्द्र कुमार यादव, प्रा0स0-सी, सेवापुरी में 16-11-2023 को नामित कर्मचारी श्री श्यामबिहारी मौर्य, प्रा0स0 तथा आराजीलाईन में 17-11-2023 को नामित कर्मचारी बनारसी सिंह, ए0टी0एम को होगा।

चकबंदी आयुक्त ने मंडल के चकबंदी कार्यों की समीक्षा कर चकबंदी अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। चकबन्दी आयुक्त जी0एस0 नवीन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को सर्किट हाउस सभागार में विन्ध्याचल व वाराणसी मण्डल की चकबन्दी कार्यों की समीक्षा ग्रामवार की गयी। समीक्षाबैठक में दोनों मण्डलों के उप संचालक चकबन्दी/अपर जिलाधिकारी/मुख्य राजस्व अधिकारी बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी तथा चकबन्दी अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में 10 वर्ष से अधिक पुराने ग्रागों में त्वरित रूप से कार्य कर उक्त ग्रामों में धारा 52 की कार्यवाही पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जनपद मिर्जापुर के ग्राम गौरा, मदईयां, अमोई आदि व सोनभद्र के ग्राम भैसवार, वाराणसी के ग्राम कमौली अजगरा, टिकरी आदि व चन्दौली के ग्राम महजी कुरहना व जौनपुर के ग्राम ढेगा, सुरीश लखेसर खपडहा, लखल्या आदि एवं गाजीपुर के ग्राम बेलराड़ी, चौरहीं, रायपुर बाघपुर इत्यादि ग्रामो की समीक्षा की गयी। वादों के निस्तारण के सम्बन्ध में अधिकारीवार भी समीक्षा की एवं जौनपुर में अत्यधिक अपील लम्बित होने पर जनपद जौनपुर में 01 अतिरिक्त बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी तैनात किये जाने का निर्देश निदेशालय के अधिकारियों को दिया गया। वादों के पारदर्शी एवं गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए पीठासीन अधिकारी द्वारा जो भी आदेश पारित किये जायेंगे, वह स्पीकिंग एवं गुणदोष पर पारित किये जाय तथा ग्राम अदालतों के माध्यम से अधिक से अधिक वादों को लगाकर गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय, जिससे वादकारियों को सुलभ न्याय उपलब्ध हो सके। चकबन्दी प्रक्रिया में शामिल ग्रामों में जिन ग्रामों के अभिलेख जीर्ण-शीर्ण हैं, उनका डिजिटल फोटो/स्कैनिंग कराने का भी निर्देश दिया गया। समस्त उप संचालक चकबन्दी को जिलाधिकारी से सम्पर्क कर डीजीरोवर की व्यवस्था जिले स्तर से ही कराकर अभिलेख सुरक्षित कराया जाय। 10 वर्ष से अधिक समय से लम्बित ग्रामों में संतोषजनक कार्य न होने एवं कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने पर 05 अधिकारियों का वेतन रोकते हुए उनका स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

खेल लोगों के जीवन में प्रतिस्पर्धा करने का जज्बा पैदा करता है-जयवीर सिंह

सांसद खेल प्रतियोगिता 2023 का हुआ समापन

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति तथा वाराणसी जनपद के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह बुधवार को बड़ा लालपुर स्थित अंबेडकर क्रीडा स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल प्रतियोगिता 2023 (16 अक्टूबर से 8 नवंबर) समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल लोगों के जीवन में प्रतिस्पर्धा करने की जज्बा पैदा करता है। उन्होने खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने-अपने विधाओं में प्रतिमान स्थापित करें।उन्होने देश के सर्वांगीण विकास की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है। देश प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा हैं। देश का युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े ऐसी उनकी मंशा रहती है और देश एवं देशवासी युवा, बालक बालिका महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे है, विकास कर रहे है। जीवन में स्वस्थ रहना है तो खेलकूद को अपनाना होगा। हमारे कल्पना है भारत विश्व की दसवीं अर्थव्यवस्था रही, प्रधानमंत्री के 9.5 वर्ष के कार्यकाल में देश विश्व का पांचवा अर्थव्यवस्था बन गया है और

2030 तक भारत विश्व का तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को पुन: विश्व गुरु बनाने का सपना सजोया है और 2047 तक ग्लोबल लीडर बनकर भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। ग्लोबल लीडर बनने का जी-20 कार्यक्रम के दौरान दे दी है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा जी-20 देश के समूह देश जो विश्व की 80 फ़ीसदी अर्थव्यवस्था पर एकाधिकार रखते हैं, उन देशों की जी-20 कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षता एवं सफल आयोजन कर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत ग्लोबल लीडर बनने की दिशा में सबसे आगे चल रहा है। उन्होंने बच्चों, नवयुवकों का देश का भविष्य बताते सिद्ध कर दिया है कि भारत ग्लोबल लीडर बनने की दिशा में हुए देश की तरक्की में अपना योगदान किए जाने हेतु संकल्प दिलाते हुए उनका आह्वान किया। उन्होने कहा कि देश में प्राकृतिक एवं अन्य संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल मानसिक, शारीरिक, और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमें स्वस्थ रखने, दिमाग की क्षमता को विकसित करने, सामरिकता का अभ्यास करने, और टीमवर्क करने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है और हमें सकारात्मक रूप से सोचने, संघर्ष करने, और जीतने की क्षमता प्रदान करता है। उन्होने कहा कि खेल हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा है। स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। ऐसे में खेल इस तनाव को दूर करने का बेहतर माध्यम है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि हमारे देश में पहले खेलों को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती रही, जितनी शिक्षा को दी जाती रही है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल एवं खिलाड़ियों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री कहते हैं जो खेलेगा, वही खिलेगा। जिस तरह दिमाग का सही विकास के लिए शिक्षा जरूरी है, उसी तरह शारीरिक विकास के लिए खेल महत्वपूर्ण हैं। जिलाधिकारी एस.राजलिंगम ने बताया कि सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में बताया कि इस वर्ष 276000 लोगों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें से 2 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया। खेल का जज्बा ऐसा रहा की 103 वर्ष की वृद्धा ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

इस अवसर पर मंत्री जयवीर सिंह ने पुरस्कार वितरण भी किया। उन्होने वुशू खेल में सनबीम अन्नपूर्णा की 04 वर्षीय गुरमेहर चावला को गोल्ड मेडल व शिया सिंह राजपूत सिल्वर मेडल सहित अन्य खिलाड़ियों को पुरस्कार स्वरूप मेडल प्रदान किया।

नगर निगम प्रवर्तन दल ने हटवाया अतिक्रमण

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। सोनिया क्षेत्र से प्राप्त शिकायत (दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर मार्ग अवरुद्ध करने के सम्बंध में

) के निस्तारण हेतु अतिक्रमण निरीक्षक श्री संजय श्रीवास्तव के साथ मौके पर पहुंच सभी दुकानदारों का अतिक्रमित सामान हटवा कर मार्ग खाली करवाया गया साथ ही कुछ दुकानों के सामने पटिया रखी हुई थी जिसे ध्वस्त करवा दिया गया। लंका स्थित रश्मि नगर कॉलोनी से प्राप्त मार्ग पर अवैध रूप से गुमटी रख कर अतिक्रमण करने के सम्बंध में निस्तारित करते हुए मौके पर पहुंच मार्ग पर अवैध रूप से रखी हुई गुमटी को ज़ब्त कर लिया गया । उपरोक्त अभियान के दौरान अत्याधिक अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों का अतिक्रमित सामान हटवा कर मार्ग खाली करवाया गया कुछ को जुर्माना भी किया गया वहीं प्रतिबंधित प्लास्टिक का ईस्तेमाल करने वाले दुकानदारों /वेंडरों से लगभग 03 ध्वद्द प्लास्टिक के थैले ज़ब्त कर सभी को जुर्माना किया गया।

नगर आयुक्त ने किया कार्यालय का निरीक्षण

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा द्वारा दिनांक-16, नवम्बर को सुबह 10:30 बजे नगर

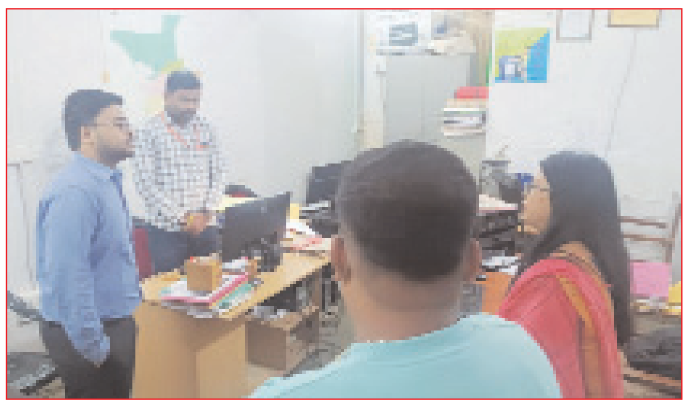

निगम कार्यालय पहुँच कर कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त नगर निगम मुख्यालय स्थित सी0एस0यू0 कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि कार्यालय में तैनात आउटसोर्सिंग स्टॉफ सुरजीत सिंह, सुश्री सरिता, शाल्व कुमार शाह एवं श्री दुर्गा प्रसाद अनुपस्थित पाये गये समय से कार्यालय में उपस्थित न होने के कारण इनके 01 दिन का मानदेय रोके जाने हेतु निर्देश दिया गया। निरीक्षण में पाया गया कि पत्रावलियॉ ठीक से नही रखी गयी हैं, जिसे पत्रावलियों एवं गार्ड फाईलों के रख-रखाव से सम्बन्धित निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य विभाग कार्यालय में कार्यरत श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, कनिष्ठ लिपिक द्वारा सी0टी0/पी0टी0 का विवरण उपलब्ध कराया गया, जिनको माह नवम्बर के अन्त तक सभी 180 सी0टी0/पी0टी0 के भौतिक निरीक्षण रिपोर्ट को उपलब्ध कराने के निर्देश दिया गया । सी0टी0/पी0टी0 कार्य के निरीक्षण हेतु परिवहन निरीक्षक को वाहन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त द्वारा समस्त सी0टी0/पी0टी0 प्रकरणों में चल रही मेन्टेनेन्स एवं रख-रखाव के समस्याओं के निस्तारण हेतु सामान्य विभाग, राजस्व विभाग एवं नगर स्वास्थ्य अधिकारी को संयुक्त बैठक दिनांक-18.11.2023 को बुलाई गयी है। निरीक्षण के समय नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एनपी सिंह उपस्थित थे।

नथुनी गौतम अध्यक्ष मनोज कुमार बने महामंत्री

वाराणसी । मानव सेवा परमो धर्म की युक्ति को चरितार्थ करते मुम्बई में दिव्यांगजनो की सेवा सुश्रुषा कर हस्ताक्षर के रूप में नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ संस्था की पहचान बना चुके राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रियुगीनाथ दुबे ने अपने वाराणसी प्रवास के दौरान अपने संगठन का विस्तार करने के उद्देश्य से यहां पर जिलाध्यक्ष के रूप में नथुनी गौतम तथा जिला महामंत्री के रूप में मनोज कुमार को अपने संगठन के कमान की जिम्मेदारी सौपा । इस अवसर पर श्री दुबे ने कहा कि दिव्यांगजनो की सेवा करके जो आत्मसंतुष्टि मिलती है वह कहि और नही मिलती । उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष और महामंत्री से आग्रह करते हुए दिव्यांगजनो की नि:स्वार्थ सेवा का निर्देश दिया । संगठन विस्तार के अवसर पर राष्ट्रीय सचिव अरुण कुमार सिंह (पत्रकार), प्रमुख समाजसेवी डॉ इंद्रजीत पांडेय, जयदेश न्यूज़ के एमडी आशुतोष जायसवाल मौजूद रहे ।

राजस्व वसूली के कार्यों में लायें तेजी - जिलाधिकारी

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम की अध्यक्षता में आज कमिश्नरी सभागार में राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई जिसमें विभागवार वाराणसी जनपद के रैंकिंग सुधार सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश सभी विभागों को दिये। आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय अवधि के अंदर प्रत्येक दशा में निस्तारण कराना सुनिश्चित करें साथ ही शिकायतों का असंतोषजनक फीड बैक न हो यह भी सुनिश्चित करें। डिफाल्टर श्रेणी में कोई भी शिकायत नहीं आनी चाहिए अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ अवश्य कड़ी कार्यवाही की जायेगी। समस्त तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने 10 बड़े बकायेदारों की सूची बनाकर राजस्व की वसूली कराये जाने तथा इसके अलावा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन से सम्बन्धित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूलने का भी निर्देश दिया। खाद्य एवं रसद

विभाग लाभार्थियों की आधार सीडिंग शत प्रतिशत कराने के साथ ही राशन कार्ड में प्रत्येक यूनिट के आधार कार्ड की भी सीडिंग ? कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पांच वर्षों से अधिक समय तक लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्रातिशीघ्र निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। आबकारी विभाग द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा में खराब प्रगति पाये जाने पर जिला आबकारी अधिकारी को निर्धारित अवधि के भीतर सुधार लाने के निर्देश दिए। कृषक दुर्घटना बीमा के लंबित आवेदनों का निस्तारण निर्धारित समय अवधि में कराना सुनिश्चित करें। औषधि विक्रय लाइसेंस से संबंधित आवेदनों का निस्तारण समय से कराने का निर्देश दिया गया। सम्पत्ति नामान्तरण के मामले निर्धारित अवधि में ही निपटायें, इसके अलावा आय, जाति प्रमाण पत्र, एंटी-भूमाफिया, कुर्रा बटवारा धारा 116, धारा 24, भूमि पैमाइश, अंश निर्धारण, निर्विवाद उतराधिकार के मामले, भू आवंटन पट्टा आदि से सम्बन्धित आवेदनों के निस्तारण कराने में कोई कोताही न किये जाने की सख्त हिदायत दी गयी। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम सिटी, सीआरओ, डीएसओ, सभी एसडीएम, एसीएम, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के रेल मंडप में बरेका द्वारा निर्यातित रेल इंजन मॉडल बना आकषर्ण का केंद्र

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। रेल मंत्रालय 14 से 27 नवंबर, 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 42वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ)- 2023 में हिस्सा ले रहा है। मंत्रालय ने रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में 'बदलते भारत की अवसंरचना' की विषयवस्तु के साथ हॉल नंबर-5 में एक मंडप स्थापित किया है। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने इस रेलवे मंडप का उद्घाटन किया। आईआईटीएफ 2023 की विषयवस्तु- वसुधैव कुटुंबकम- व्यापार के माध्यम से एकता से प्रेरणा लेते हुए भारतीय रेलवे ने इस मंडप में अपनी यात्रा को प्रदर्शित किया है। साथ ही यह बताया है कि कैसे भारतीय रेलवे ने विश्व के अन्य देशों में लोको, कोच और डेमू ट्रेनों का निर्यात करके वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। इसके अलावा मंडप में नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन को लेकर भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को भी दिखाया गया है। बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित किए गए रेल इंजनों जिन्हें विभिन्न देशों तंजानिया, वियतनाम, बांग्लादेश,श्रीलंका, मलेशिया, सूडान, म्यांमार, अंगोला, सेनेगल, माली, मोजांबिक में निर्यात किया गया है उन सभी रेल इंजन मॉडलों को एक विशेष बूथ पर आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। जो आगंतुकों विशेष कर बच्चों का अपनी ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है, कि बरेका ने अब तक 172 रेल इंजनों का विभिन्न देशों में निर्यात किया है।इस मंडप में भारतीय रेलवे के कई पहलुओं को रेखांकित किया गया है, जहां विभिन्न विषयवस्तुओं को चित्रों, ट्रांसलाइट और मॉडल आदि के माध्यम से उनकी तकनीकी व संरचनात्मक प्रगति के साथ प्रदर्शित किया गया। रेल मंडप के बाहरी हिस्से में वंदे भारत ट्रेन के मॉडल व रघुनाथ मंदिर से प्रेरित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित डिजाइन को दिखाया गया है, जो अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना को प्रदर्शित करता है।

पोलियो की तर्ज पर टीबी को भी हराएंगे-डा. स्वर्णलता सिंह

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी, । पोलियो के तर्ज पर भारत से टीबी को भी भगाएंगे, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 में जिस टीबी मुक्त भारत का सपना देखा है उसको साकार करने के लिए हम सबको आगे आना होगा और कदम से कदम मिलाकर इस पर कार्य करना होगा। भारत का हर एक व्यक्ति एक एक टीबी मरीजों को गोद ले ले तो वह दिन दूर नहीँ जब भारत से टी.बी जड़ से खत्म होगा। भविष्य मे टी.वी मुक्त भारत अभियान के तहत टी.वी जोगियो के परिवार को टीवी मुक्त और सक्षम बनाने के लिए मेरे योगदान रहेगा यह कहना था अनुराग मातृ सदन की प्रबंधक डॉ. स्वर्ण लता सिंह का जो मंगलवार को अपने पैतृक गांव पिलखीनी गाव रोहनियां में आयोजित अपने सामाजिक कार्य के दौरान कह रही थीं। विगत पांच वर्षों से अक्षय नवमी तिथि पर आयोजित कार्यक्रम के तहत इस बार भी गरीब कन्याओं के शादी के लिए योगदान, इसके साथ ही मदर टेरेसा में कंबल का दान व कुपोषित बच्चों को राशन वितरित किया गया।

डा. स्वर्ण लता सिंह की ओर से प्रतिवर्ष यह सामाजिक कार्यक्रम अपने पैतृक गांव पिलखीनी

रोहनियां में आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संदीप चौधरी, विशिष्ट अतिथि ए.डी.सी.पी. ममता रानी व जिला क्षय रोग धिकारी डॉ पीयूष राय का डॉ. स्वर्णलता सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अतिथियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि भारत के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। सरकारी योजनाओं के तहत हर मरीजों के खाते में पांच सौ रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने डॉ. स्वर्णलता सिंह की ओर से किए जा रहे कन्यादान रूपी विवाह सहयोग राशि की भी सराहना की। ए.डी.सी.पी. ममता रानी ने कहा कि ऐसे पुनीत कार्य समाज में हर व्यक्ति को करना चाहिए, जिससे अन्य लोगों को प्रेरणा मिले, उन्होंने मिशन शक्ति के तहत लड़कियों को आत्मरक्षा का गुर भी बताया। उन्होंने कहा कि जीवन में दरिद्रता से बड़ा कोई दुख नहीं है ऐसे में अगर कोई उन्हें इस दुख से उतारता है तो वह ईश्वर के समान है यह कहना गलत नहीं होगा। सामाजिक कार्यक्रम के तहत कुपोषित बच्चों में भरपूर राशन वितरित किया गया, मदर टेरेसा में कंबल बांटा गया। इसके साथ इस वर्ष भी गरीब कन्याओं के विवाह के लिए सहयोग राशि प्रदान की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. स्वर्ण लता सिंह ने कहा कि दुनिया में मानवसेवा से बढ़कर कोई सेवा नही। गरीबों की सेवा और उनके थाली में अन्नदान की व्यवस्था करना एक पुनीत कार्य है। उन्होंने बताया कि वह पूर्व में कबीर चौरा राजकीय महिला चिकित्साल में विगत दस वर्षो तक कार्यरत रही है। इस दौरान उन्हें परिवार नियोजन में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए वीर बहादुर सिंह के द्वारा दो बार गोल्ड मेडल तथा प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित कार्यक्रमों में सहयोग रहता है। जिसके तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, गरीब कन्याओं के विवाह में योगदान, आईसीडीएस के तहत कुपोषण मुक्त भारत के तहत कुपोषित बच्चों को अन्नदान तथा नि शुल्क टीकाकरण व स्वास्थ्य शिविर शामिल है।

पूर्वांचल में सौ करोड़ का है हलाल प्रमाणित उत्पादों का कारोबार

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। हलाल प्रमाणित उत्पादों पर कार्रवाई से कारोबारी सकते में हैं। वाराणसी समेत पूर्वांचल में सालाना सौ करोड़ से अधिक हलाल प्रमाणित उत्पादों का कारोबार है। यहां 1400 हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री होती है। हलाल प्रमाणित उत्पादों में कास्टमेटिक, खाद्य उत्पाद, पेय उत्पाद, आइसक्रीम आदि शामिल हैं। इसकी बिक्री, उत्पादन और भंडारण को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की पांच टीमें जांच कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार इसकी बिक्री या उत्पादन, भंडारण करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। शहर के दालमंडी, हड़हासराय, नई सड़क, औरंगाबाद, चौक, सिगरा में इसका बड़ा कारोबार होता है। पूर्वांचल के जिलों के अलावा बिहार के दुकानदार खरीदारी के लिए यहां आते हैं। कारोबारियों के अनुसार हलाल प्रमाणित उत्पादों में कास्टमेटिक का भंडारण और बिक्री सबसे अधिक हड़हा सराय, दालमंडी, नई सड़क क्षेत्रों में होती है। यहां 20 करोड़ से ज्यादा का कास्मेटिक कारोबार है। इन उत्पादों की बिक्री बाबतपुर एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों और रोडवेज बस स्टेशन पर भी होती है। दरअसल, हलाल एक अरबी शब्द है। इसका अर्थ कानून सम्मत या जिसकी इजाजत इस्लामिक कानून (शरीयत) से है। इसलिए कुछ कंपनियां खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम में इसका प्राविधान न होने के बावजूद उत्पादों को प्रमाणित करने लगीं। वाराणसी समेत पूर्वांचल में 1400 हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री होती है। यहां सालाना सौ करोड़ से अधिक का कारोबार है। इन उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने के लिए पूर्व में अभियान चलाया गया था। विविध खाद्य पदार्थ, औषधियां, सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर मॉल आदि का हलाल प्रमाणीकरण शुरू हो गया है। इन उत्पादों को प्रतिबंधित करने का फैसला मुख्यमंत्री का सराहनीय और स्वागत योग्य है।

नाग नथैया लीला में श्रद्धालुओं का उमड़ा जन सैलाब

भगवान श्री कृष्ण ने किया कालिया नाग का मर्दन

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। गोस्वामी तुलसी दास द्वारा साढ़े चार सौ साल पूर्व काशी में शुरू की गई नाग नथैया लीला में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। काशी में इस मौके पर मां गंगा ने कालिंदी का रूप धरा और जैसे ही भगवान श्री कृष्ण रूप धारी पात्र कदंब की डाल पर चढ़े तुलसीघाट का वातावरण जय श्रीकृष्ण, हर हर महादेव के नारों से गूंज उठा। दृश्य भी ऐसा कि मानों द्वापर युग के दर्शन हो रहे हों। इस मौके पर काशिराज परिवार के उत्तराधिकारी कुंवर अनंत नारायण आदि विशिष्ठ जन मौजूद रहे।

कार्तिक शुक्ल चतुर्थ को पिछले 457 साल से अनवरत हो रही इस लीला को नयनों में कैद करने के लिए हजारों आंखें की पलकें जैसे थम गई थीं। 10 मिनट के इस लीला में लाखों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते हैं। जैसे-जैसे वह कदम की डाल पर चढ़ते गए और जैसे ही उन्होंने यमुना रूपी गंगा में कालिया नाग के मर्दन के लिए छलांग लगाई, माहौल में जैसे

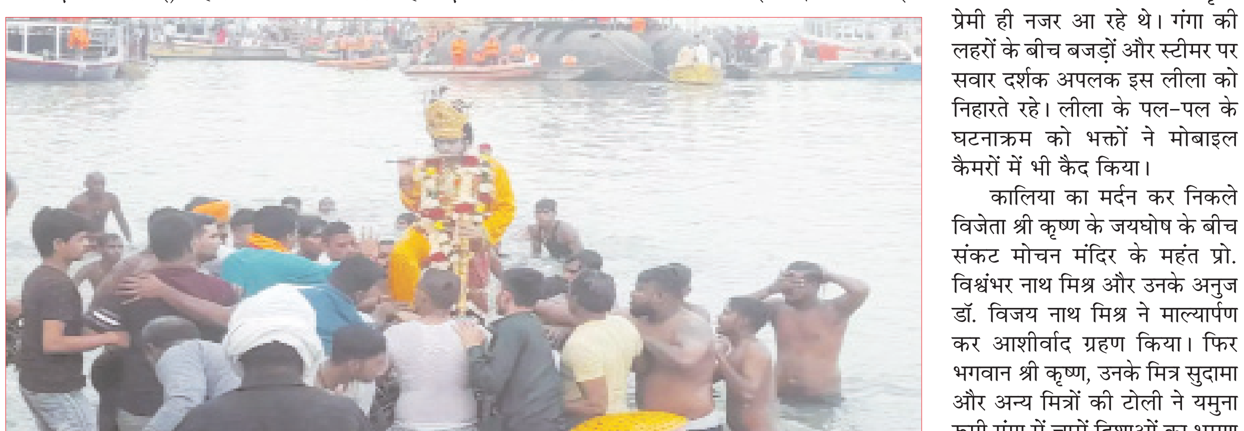

सन्नाटा छा गया। यह सियापा तब तक रहा जब तक कि भगवान श्रीकृष्ण रूप धारी कालिया का मर्दन कर ऊपर नहीं निकले। कालिया मर्दन के बाद श्रीकृष्ण रूप धारी के जल से बाहर निकलते ही एक बार फिर से वातावरण जय श्रीकृष्ण, हर हर महादेव के नारों से गूंज उठा। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण का डमरू दल ने डमरू बजाकर स्वागत किया। इसके साथ ही विधि- विधान के साथ आरती उतारी गई। चंद मिनटों की इस लीला को देखने के लिए काशी ही नहीं बल्कि देश के कोने-कोने व विदेश से भी भक्त तुलसीघाट पहुंचे थे। जहां तक नजर जा रही थी बस नरमुंड ही दिख रहा था। क्या जल और क्या थल चारों तरफ सिर्फ कृष्ण प्रेमी ही नजर आ रहे थे। गंगा की लहरों के बीच बजड़ों और स्टीमर पर सवार दर्शक अपलक इस लीला को निहारते रहे। लीला के पल-पल के घटनाक्रम को भक्तों ने मोबाइल कैमरों में भी कैद किया।

कालिया का मर्दन कर निकले विजेता श्री कृष्ण के जयघोष के बीच संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र और उनके अनुज डॉ. विजय नाथ मिश्र ने माल्यार्पण कर आशीर्वाद ग्रहण किया। फिर भगवान श्री कृष्ण, उनके मित्र सुदामा और अन्य मित्रों की टोली ने यमुना रूपी गंगा में चारों दिशाओं का भ्रमण कर दर्शकों को दर्शन देने के साथ ही आशीर्वाद दिया। इसके बाद तुलसी घाट पर श्रीकृष्ण व उनकी मित्र मंडली की आरती उतारी गई।

लोकतंत्र को जीवित रखता है मानवाधिकार- डॉ. क्रिश्चियन

अनिवार्य प्रश्न। संवाद

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता स्कूल ऑफ कल्चर एंड सोसाइटी, आरहुस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क के डॉ. क्रिश्चियन ओ क्रिस्टियनशेन ने कहा कि मानवाधिकार के लिए आज समूचा विश्व समुदाय चिंतित है। मानवाधिकार ही एक ऐसी शक्ति है जो दुनिया भर में लोकतंत्र को

जीवित रखने में मदद करता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र ही मजबूत सामाजिक और आर्थिक मानवाधिकार का स्तम्भ है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार को सीमित दायरे में नही रखा जा सकता है जिस प्रकार लोकतंत्र सिर्फ वोट देने के अधिकार तक सीमित नही है उसी प्रकार मानवाधिकार एक व्यक्ति की स्वतंत्रता से कही अधिक समाज की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने सामाजिक आर्थिक मानवाधिकार के संदर्भ में रॉल्फ बंच के योगदान की भी व्याख्या की। उनके मुताबिक अमेरिका विरोधाभास से भरा है आज भी वे मानवाधिकारों को लेकर दुविधा की स्थिति में दिखलाई पड़ते है। इसके उपरांत डॉ. क्रिश्चियन ने विद्यार्थियों से संवाद भी किया।इससे पूर्व वक्ता का स्वागत स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। संचालन डॉ. प्रियंका सिंह, स्वागत डॉ. प्रतिमा गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन गौरव मिश्रा ने दिया।

अनिवार्य प्रश्न
हर कलम बिकती नहीं।

राजपाल ने दिखाई अभिनय की नई रोशनी

रात के अंधेरे में रोशन हुई तारा

कलाकार- तारा सुतारिया, राजपाल यादव, अभिषेक बनर्जी, सुमित गुलाटी, आदित्य गुप्ता और धैर्य करवा आदि
लेखक- निखिल नागेश भट्ट
निर्देशक- निखिल नागेश भट्ट
निमार्ता-मुराद खेतानी और स्टार स्टूडियोज
ओटीटी- डिज्नी प्लस हॉटस्टार
रिलीज - 15 नवंबर 2023
रेटिंग 3/5

गत दिनों रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' का जो भी हल्ला जारी हो, अगर आपको वाकई खून खराबे भरी 'स्लैशर' फिल्में या 'एनएच 10' जैसी रोड मूवी फिल्में पसंद हैं तो फिल्म 'अपूर्वा' आपके लिए इस हफ्ते की फिल्म है। निमार्ता मुराद खेतानी और स्टार स्टूडियोज ने निर्देशक निखिल नागेश भट्ट को एक ऐसी फिल्म बनाने का मौका दिया है, जिसके लिए मुंबई के आम फिल्म निमार्ता शायद ही तैयार हों। निखिल ने निमार्ता, निर्देशक अनुराग कश्यप की शागिर्दी में लंबा वक्त गुजारा है। फिल्म 'सालन' से उनका डेब्यू हुआ और उनकी पिछली फिल्म 'हुड़दंग' अपने कलाकारों के औसत से कमतर प्रदर्शन के चलते किसी को याद भी नहीं होगी। लेकिन, निखिल के लिए ये फिल्म उनकी पहली ठोस पहचान बना सकती है। इस तरह की हिंसात्मक फिल्मों का विश्व सिनेमा में अपनी एक अलग स्थापित श्रेणी है और मसाला फिल्मों से ऊबे दर्शक इन फिल्मों के तयशुदा दर्शक होते हैं। फिल्म इसके कलाकारों को भी अपनी भिन्न अभिनय क्षमता दिखाने का बेहतरीन मौका देती है।

निखिल नागेश भट्ट ने फिल्म 'अपूर्वा' की कहानी कोई 14 साल पहले लिखी थी और एक तरह से ये उनका वनवास खत्म करने वाली फिल्म भी है। कहानी सिर्फ इतनी सी ही है कि शादी तय हो जाने के बाद एक युवती अपने प्रेमी के वर्क सिटी जाकर उसके जन्मदिन पर सरप्राइज देना चाहती है, लेकिन रास्ते में ही उसका अपहरण हो जाता है। एक पूरी रात वह कैसे इन खूनी हमलावरों से बचने की कोशिशें करती है, इसी पर पूरी फिल्म बनी है। निखिल ने कमाल इसकी पटकथा लिखने में किया है। एक बहुत ही छोटी सी कहानी पर कोई पौने दो घंटे की फिल्म बनाने में उन्होंने अपनी सारी सिनेमाई सीख का इस्तेमाल कर लिया है। लोकेशन एक ही है, कलाकार भी पहले से तय हैं और कहानी के अंत का भी दर्शकों को आभास हो ही जाता है लेकिन इस सबके बावजूद ये उनकी पटकथा ही है जो कम से कम संवादों के जरिये सिर्फ अपनी दृश्यावलियों के सहारे दर्शकों के मन में रहस्य, रोमांच और डर पैदा करती रहती है। निखिल का निर्देशन भी यहां काबिले तारीफ है और वह इसलिए कि उनके पास राजपाल यादव को छोड़कर दूसरा कोई सिद्धहस्त कलाकार नहीं है। फिल्म का पूरा भूगोल, कैमरे का संचालन, दृश्य प्रकाश संयोजन की जो परिकल्पना निखिल ने अधिकतर एक रात में बीतती फिल्म के लिए की है, उस पर सिनेमा के सुधी निमार्ताओं का ध्यान अब जाना ही है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट के मिनी थियेटर में हुए फिल्म 'अपूर्वा' के प्रिव्यू के बाद निखिल नागेश भट्ट खुद समीक्षकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए मौजूद थे। उनके चेहरे पर जो भाव था, वह हर उस फिल्म निर्देशक का होता है जिसकी अभी अभी देखी गई फिल्म पर उसका आगे का करियर टिका हो। और, फिल्म देखकर निकलने अधिकतर समीक्षकों से मिलकर उनके चेहरे के ये भाव थोड़ी देर में ही खुशनुमा भी हो गए। मुराद खेतानी की गिनती हिंदी सिनेमा के दिग्गज फिल्म निमार्ताओं में होती है। 'कबीर सिंह' के बाद उनकी अगली बड़ी फिल्म 'एनिमल' है, और इतनी मेगाबजट फिल्मों के बीच में अगर वह 'अपूर्वा' जैसी छोटे बजट की फिल्म पर भी भरोसा दिखाते हैं, ये नए निर्देशकों के लिए भी एक शुभ संकेत ही है कि लीक से इतर फिल्मों के कद्रदान इस जमाने में भी हैं, बस दिक्कत ये है कि ऐसी फिल्मों को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए इन दिनों की बड़ी फिल्म कंपनियां तैयार नहीं हो रहीं और, निमार्ताओं को इन दिनों सिनेमाघरों में फिल्म चलाने के पैसे भी देने पड़ते हैं तो वह एक ही फिल्म पर दो रिस्क लेने से भी कतराते हैं।

फिल्म 'अपूर्वा' एक तरह से देखा जाए तो राजपाल यादव की फिल्म है। फिल्म ह्यजंगलह्न का सिप्पा अगर आपको याद हो तो समझा जा सकता है कि राजपाल की अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल हिंदी सिनेमा में कम ही हुआ है। अधिकतर फिल्मों में एक कार्टून टाइप का कॉमेडी कलाकार बना दिए जाने वाले राजपाल ने यहां खूंखार और क्रूर लुटेरों के गैंग लीडर का किरदार निभाया है। गाड़ी को साइड न देने पर आगे वाली गाड़ी को ओवरटेक कर ड्राइवर को गोली मार देने के किस्से उत्तर भारत में आम हैं। लेकिन, जिस तरह से राजपाल का किरदार जुगून भैया यहां बस के सहायक को मारता है और इस दौरान राजपाल के चेहरे पर जिस तरह के भाव रहते हैं, वे देखने लायक है। कुछ कुछ छोटा गब्बर जैसा है उनका

किरदार। कम ऊंचाई वाले खलनायकों का परदे पर अपना एक अलग तिलिस्म होता है और ये अगर सिनेमा के मौजूदा दौर के निर्देशक, निमार्ता समझ पाए तो राजपाल यादव के लिए यहां से हिंदी सिनेमा में एक नई पारी शुरू हो सकती है।

फिल्म 'अपूर्वा' में शीर्षक किरदार तारा सुतारिया को मिला है। अपनी हर फिल्म से पहले एक नए अफेयर को लेकर सुर्खियां बनाने वाली तारा को ये समझना होगा कि इश्क मोहब्बत के किस्से किसी भी कलाकार को अब दर्शकों के मन में इज्जत नहीं दिलाते। ये मिलती है उनके काम और किरदार से। इस मायने में तारा ने इस बार पूरा मन लगाकर काम किया है। सगाई के दौरान लड़का देखने जाना और वहां रखे समोसे के बारे में लड़के से पूछना कि क्या ये उसने बनाए हैं, दिलचस्प है। और, इस दौरान तारा के चेहरे के भाव भी उनकी सहजता को स्थापित करते हैं। अपहरण के बाद रात में चार खूंखार दरिंदों से बचने की कोशिशों के दौरान भी उनका अभिनय अच्छा है हालांकि इस दौरान रोशनी कम होने और चेहरे पर धूल मिट्टी लग जाने से उन्हें भाव प्रकटन की अपनी कमजोरियां छुपाने में मदद भी मिलती है। तारा सुतारिया का अभिनय स्टार किड्स के रूप में लॉन्च हुए हाल फिलहाल की अभिनेत्रियों से बेहतर भी बन पड़ा है। तारा को बजाय बड़े निर्देशकों के पीछे भागने के अच्छी कहानियों पर फोकस करना चाहिए और यही उनकी अभिनय यात्रा को मजबूती दे सकते हैं।

निखिल नागेश भट्ट की इस फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी हैं, इसके दूसरे खलनायक अभिषेक बनर्जी। अमिताभ बच्चन सरीखी जैकेट पहने और पूरी छाती खोलकर घूमते अभिषेक ने सूखा का ऐसा किरदार किया है जो घूम फिरकर उनके हथौड़ा त्यागी के किरदार के ही आसपास का है। अभिषेक बनर्जी का वेब सीरीज 'पाताललोक' के किरदार से अब तक आगे न बढ़ पाना बतौर अभिनेता उनके लिए घातक हो रहा है। उनसे बेहतर अभिनय फिल्म में गैंग के दूसरे सदस्य बने सुमित गुलाटी और आदर्श गुप्ता ने किया है। धैर्य करवा के लिए फिल्म में खास करने लायक कुछ है नहीं और एक गाने और तीन चार सीन के साथ ही वह क्लाइमेक्स को प्राप्त हो जाते हैं। फिल्म का संगीत औसत से कमतर है। ऐसी फिल्मों में कम से कम एक ऐसा गाना जरूर होना चाहिए जो दहशत के माहौल में, रात के अंधेरे में दोबारा बजे तो पूरा माहौल ही बदल दे। हॉन्टिंग सॉन्ग की तरह। फिल्म में एक इशारा इस तरफ है कि कैसे गांव देहात के युवा महिलाओं के साथ किए जाने वाले अपराधों के वीडियो बनाकर वायरल करते रहते हैं और दूसरा इशारा इस तरफ कि हालात कैसे भी हों, युवतियां अगर अपना हौसला न खोएं तो हो सकता है कि अंधेरी सुरंग के दूसरी तरफ रोशनी भी हो।

फराह ने साझा किया साउथ में काम करने का अनुभव

मुम्बई। फराह खान इंडस्ट्री की जानी-मानी कोरियोग्राफर हैं। उन्होंने वर्ष 1992 में फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' से बतौर कोरियोग्राफर डेब्यू किया था। फराह बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया संग बातचीत में मणिरत्नम और प्रियदर्शन के साथ काम करने की यादें ताजा कीं।फराह खान ने कहा कि वे लोग बहुत फास्ट हैं। उनका काम करने का स्टाइल बहुत तेज है, वे बिल्कुल भी समय बर्बाद नहीं करते हैं। फराह ने कहा कि वहां बहुत फटाफट फ्रेम सेट किया जाता है। वहां के कलाकार भी वक्त के पाबंद हैं, सुबह पांच बजे ही शूट के लिए आ जाते हैं। फराह ने कहा, 'मैंने मणिरत्नम सर के साथ काफी काम किया है। मैंने 'दिल से' की और उससे पहले 'इरुवर' और 'अलाई पयुथे' की थी, जो 'साथिया' का साउथ वर्जन है'। फराह खान ने कहा, 'उनका काम करने का स्टाइल बिल्कुल अलग होता है और तर्क भी काफी अलग होते हैं। हमारे यहां (बॉलीवुड) सब कुछ इत्मीनान से होता है, लेकिन वहां ऐसा लगता है कि जैसे कोई सेना काम कर रही हो। फराह खान ने 1994 से 1995 का दौर याद करते हुए कहा कि तेलुगु स्टार नागार्जुन ने पहली बार उनकी फीस बढ़ाई थी। फराह ने कहा, 'नागार्जुन के साथ तेलुगु गाने मैंने बहुत किए हैं। नागार्जुन पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने मेरी फीस थोड़ी बढ़ा दी थी। तब मैं एक गाने के दस से पंद्रह हजार लेती थी'। आपको बता दें कि कोरियोग्राफर से अपना करियर शुरू करने वाली फराह अब निमार्ता और निर्देशक भी हैं। फराह की निजी जिंदगी की बात एक्ट्रेस ने 9 दिसंबर 2004 में शिरीष कुंदर से शादी कर ली थी। शिरीष उम्र में फराह से करीब 8 साल छोटे हैं। दोनों के तीन बच्चे हैं।

खत्म हुई सोनी लिव की सीरीज 'महारानी 3' की शूटिंग

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार हुमा कुरैशी यूं तो अक्सर अपने लुक और स्टाइल के कारण सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। लेकिन आज उनके लाइमलाइट में होने की वजह कुछ खास है। दरअसल, हुमा कुरैशी की वेब सीरीज 'महारानी' के पिछले दोनों सीजन ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। रानी भारती के रूप में हुमा की अदाकारी से लेकर सीरीज की कहानी तक को सभी ने सलाम ठोका था। दो सफल सीजन के मेकर्स ने इस सीरीज के तीसरे सीजन का एलान कर दिया था। इस बीच अब 'महारानी 3' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। हुमा कुरैशी ने खुद एलान कर दिया है कि सीरीज की शूटिंग खत्म हो गई है। 'तरला' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' की सफलता के बाद हुमा कुरैशी का उत्साह काफी बढ़ चुका है।एक के बाद एक सफल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बाद हुमा कुरैशी अब भी रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'महारानी 3' को लेकर एक अपडेट साझा किया, जिसने इसका इंतजार कर फैंस के दिलों उत्साह बढ़ा दिया है। हुमा कुरैशी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर महारानी के तीसरे सीजन की शूटिंग खत्म होने की जानकारी साझा की। हुमा कुरैशी ने अपने इस सफर को लेकर उत्साह भी व्यक्त किया। हुमा कुरैशी ने महारानी सीजन 3 की शूटिंग पूरी होने की आधिकारिक पुष्टि करते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया। अभिनेत्री ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'और यह खत्म हो गया!! महारानी सीजन 3... क्या यात्रा रही! इस शानदार अनुभव के लिए कानगरा टॉकीज, सुभाष कपूर और सोनी लिव इंडिया को धन्यवाद। रानी भारती का किरदार निभाना मेरे करियर में एक गेम-चेंजर रहा है और मैं उनके किरदार को एक बार फिर से जीवंत करने का अवसर पाने के लिए बहुत आभारी हूं। वैली में शूटिंग शेड्यूल के बाद, शो को श्रीनगर में पूरा किया गया!''महारानी 3' की शूटिंग पूरी होने के साथ ही शो के फैंस इसका और ज्यादा उत्सुकता के साथ इंतजार कर रहे हैं। सभी के दिलों में यह जानने की उत्सुकता है कि अगला सीजन क्या ट्विस्ट एंड टर्न्स लेकर आएगा। 'महारानी' में हुमा कुरैशी एक अलग ही अवतार में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने एक ग्रामीण घरेलू महिला रानी भारती की भूमिका निभाई थी, जो राजनीति तक का सफर तय करती है। इस वेब सीरीज की कहानी मुख्य रूप से बिहार की राजनीति पर आधारित है।

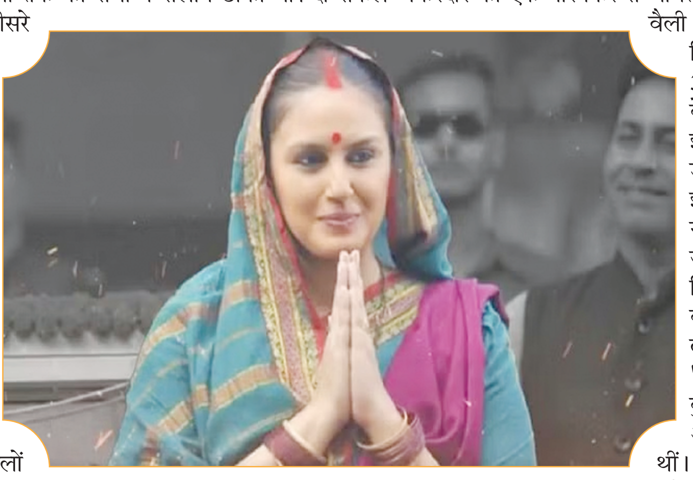

शिल्पा के बाद अब यह हसीना आई यूपी-बिहार लूटने

अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की टॉप अभिनेत्री हैं, जो किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। इस बार अभिनेत्री के चर्चा में होने का कारण कोई विवाद नहीं बल्कि उनका नया रिलीज हुआ गाना 'यूपी बिहार लूटने' है। यह गाना बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के मशहूर गाना 'यूपी बिहार लूटने' को भोजपुरी में रीक्रिएट किया गया है, जो रिलीज होते ही वायरल होने लगा है। इस गाने को मशहूर बॉलीवुड कोरियोग्राफर मुद्दसर खान ने सुपर स्टार अक्षरा सिंह को लेकर रीक्रिएट किया है। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपनी एक्टिंग और सिंगिंग के लिए अक्सर ही सुर्खियों बटोरती रहती हैं। अब एक फिर अक्षरा सिंह ने अपने गाना वीडियो के जरिए बवाल मचा दिया है। गाने की मेकिंग बेहद अलग अंदाज में हुई है। इस डांस नंबर ने रिलीज होने के साथ ही धमाल मचा दिया है। अक्षरा सिंह पर फिल्माए इस गाने को टी-सीरिज हमार भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है।इस गाने में मुद्दसर खान ने अक्षरा सिंह को धांसू लुक दिया है, जिसे खूब पसंद भी किया जा रहा है और इसकी खूब वाहवाही भी हो रही है। कहना गलत नहीं होगा कि साल 1999 में आई फिल्म 'सूल' के चार्ट बस्टर गाने 'यूपी बिहार लूटने' ने एक बार फिर से धूम मचा दी थी। इस गाने में तब शिल्पा शेट्टी का जादू खूब देखने को मिला था और अब वही जादू अक्षरा सिंह से भी देखने को मिल रहा है। बता दें कि गाना 'यूपी बिहार लूटने' को अक्षरा सिंह ने अपनी खूबसूरत आवाज दी है। इस गाने के गीतकार अजित मंडल हैं। संगीतकार आर्या शर्मा हैं। इसके निर्देशक मुदस्सर खान हैं और कोरियोग्राफी भी उन्होंने ही की है। डीओपी चेतन ढोली, कार्यकारी निमार्ता मोईन खान हैं। प्रोडक्शन हेड प्रवीण आचार्य हैं। सहायक कोरियोग्राफर उपनाम कलनाड कादर, दर्शन मांदलिया और चांदनी नैथानी हैं।बता दें कि, भोजपुरी फिल्मों और म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने टैलेंट के दम पर पहचान बनाने वालीं अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के लिए मजेदार-फनी वीडियोज भी पोस्ट करती रहती हैं। अक्षरा सिंह हिंदी टीवी पर भी अपना दम दिखा चुकी हैं। अक्षरा सिंह ने मोस्ट कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस में भी हिस्सा लिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सपादक श्री छतिश कुमार द्विवेदी द्वारा यादव प्रिंटर्स, प्रह्लाद घाट, वाराणसी, से मुद्रित एवं प्रधान, पंजीकृत व पत्राचार कार्यालय-चोड़सारी, पोस्ट-अमिलिया, शहाबगंज, चकिया, चन्दौली, उ.प्र., पिन : 232118 से प्रकाशित किया गया।
प्रधान संपादक : छतिश कुमार द्विवेदी, RNI No. UPHIN/2019/80493, बाई लाइन समाचारों, विचारों व साक्षात्कारों के लिये प्रकाशक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों के लिए वाराणसी न्यायालय ही मान्य होगा।
समाचार कार्यालय : 1/253, नारायनपुर, भोजूबीर, वाराणसी-221003 एवं मुगलसराय कटरा, जी.टी. रोड, चन्दौली-232304, वेब संपर्क : www.anivaryaprashna.in, ईमेल संपर्क : anivaryaprashna@gmail.com व दूरध्वनि क्रमांक : 9161099088